NEP 2020

Rajasthan Education Department

सत्यमेव जयते
Government of Rajasthan

RSCERT UDAIPUR

'नो बैग डे'

संभावनाओं का शनिवार

NEP 2020 के अनुसार

'नो बैग डे' निर्देशिका

2024-25

कक्षा - 6 से 8

'दिशा'

- आओ राजस्थान को जानें
- भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर
- खेल-खेल में विज्ञान
- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान
- जीवन कौशल
- करियर : सुनहरे भविष्य की राह
- विशिष्ट और अन्य गतिविधियाँ

संरक्षक

शासन सचिव

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग राजस्थान, जयपुर

मार्गदर्शक

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

राजस्थान

स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

निदेशक

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

परिषद्, उदयपुर

समन्वयक

श्री कमलेंद्र सिंह राणावत प्रभागाध्यक्ष,

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

संपादक एवं प्रभारी अधिकारी

डॉ. नवनीत शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

विकास समूह

1. श्रीमती ज्योति शर्मा, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़गाँव, कोटा शहर।
2. श्री आनंद कुमार पारीक, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय नेत्रहीन छात्रावासित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीकानेर।
3. श्री राज कुमार, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोमता, जालोर।
4. श्री सीताराम यादव, वरिष्ठ अध्यापक, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, देवीपुरा, शाहपुरा, जयपुर ग्रामीण।
5. श्री सुनील कुमार राय, अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डाबड़ी जालसू, जयपुर ग्रामीण।
6. श्री श्याम प्रताप सिंह, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खोती, भवानीमंडी, झालावाड़।
7. श्री दीक्षित दवे, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बिछावाड़ा, सज्जनगढ़, बाँसवाड़ा।
8. श्री सुरेन्द्र सिंह, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पेमाखेड़ा, रेलमगरा, राजसमंद।
9. श्रीमती पुष्पा देवी मीणा, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नाथूथला, पीसांगन, अजमेर।
10. श्री दिलीप कुमार मीना, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नारखा का पाना, देवराजगढ़, शेरगढ़, जोधपुर ग्रामीण।

सहयोगी संस्थाएँ

1. यूनिसेफ
2. अंतरंग फाउंडेशन
3. सेंटर फॉर माइक्रोफाइनेंस (टाटा ट्रस्ट्स)
4. मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन
5. क्षमतालय फाउंडेशन

अवधारणात्मक एवं भाषागत सहयोग

1. डॉ. शालिनी शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
2. डॉ. रिपुदमन सिंह उज्जवल, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
3. डॉ. जयश्री माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

दिशा बोध

शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार स्कूली शिक्षा में संपोषित शैक्षिक विकास एवं समावेशी शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति हेतु विद्यार्थी हित में निरंतर नवाचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी एवं विख्यात है।

यशपाल कमेटी (1993) के लक्ष्य 'Learning without Burden' एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल मंशा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की संकल्पना को प्रभावी रूप से प्राप्त करने के लिए **'नो बैग डे'** कार्यक्रम वर्ष 2020 से राजस्थान में सफलतापूर्वक सतत् गतिमान है। शिक्षा विभाग राजस्थान ने इस कार्यक्रम की सफल क्रियान्विति एवं प्रभावी संपादन हेतु संस्था प्रधानों एवं शिक्षकों की सहायतार्थ **'नो बैग डे'** निर्देशिका का पूर्व में निर्माण किया था। उक्त निर्देशिका में **'नो बैग डे'** की गतिविधियों हेतु कक्षा अनुसार पाँच समूह एवं पाँच थीम निर्धारित की गई थी। विगत वर्षों के अनुभवों, वर्तमान की आवश्यकताओं तथा विद्यार्थियों के 360° समग्र विकास की संकल्पना के परिप्रेक्ष्य में इस निर्देशिका में प्रासंगिक विषय करियर अवेयरनेस, रक्तदान, अंगदान, जीवन कौशल, कृत्रिम बुद्विमता, संवैधानिक एवं सांस्कृतिक मूल्य, धरोहर संरक्षण एवं संवर्धन आदि को सम्मिलित कर अद्यतन किया जाना अपरिहार्य हो चुका है। यह विषय विद्यार्थियों, उनके परिजनों एवं उनके निकट परिवेश से गहराई से जुड़ा हुआ है। स्पर्श की पहचान विषयक जानकारी की समझ विद्यार्थियों को इस संबंध में जागरूक करने के साथ–साथ आत्मविश्वास से ऐसी अवांछित परिस्थितियों से प्रतिकार करने का हौसला देने में सफल होगी।

विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही व्यक्तिगत विकास के विभिन्न आयामों यथा– प्रभावी संप्रेषण कौशल, नैतिक गुणों एवं मानवीय मूल्यों का विकास, नेतृत्व क्षमता का विकास, समय प्रबंधन की समझ, सभ्य नागरिक संबंधी दायित्व बोध आदि से परिचय कराना उनके स्वर्णिम एवं सफल भविष्य की दृष्टि से श्रेयस्कर रहेगा। अतः पुरानी थीम आधारित गतिविधियों के साथ ऊपर वर्णित प्रासंगिक विषयों की गतिविधियाँ सम्मिलित करना तथा अनिवार्यतः इन्हें करवाया जाना **'नो बैग डे'** कार्यक्रम के उद्देश्य की प्राप्ति में प्रभावी रूप से सहायक सिद्ध होगा।

आप सभी को **'नो बैग डे'** कार्यक्रम की सफल एवं वांछित क्रियान्विति हेतु कोटिशः शुभकामनाएँ।

शासन सचिव

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग

राजस्थान, जयपुर

प्राक्कथन

'नो बैग डे' राजस्थान सरकार की अनूठी पहल है जो विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास के लक्ष्य के साथ आनंददायी अधिगम की संभावनाओं को साकार करने के लिए वर्ष 2020 से लागू किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के दबाव, परीक्षा के भय आदि से विमुक्त रखते हुए अधिगम की सकारात्मक, आनंददायी परिस्थितियाँ उपलब्ध करवाकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजस्थान में 'नो बैग डे' कार्यक्रम लागू किया गया जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय रहा है। पूर्व में प्रकाशित 'नो बैग डे' निर्देशिका में वर्णित थीम के अतिरिक्त नए विषयों यथा– करियर के प्रति जागरूकता, रक्तदान, अंगदान, जीवन कौशल, कृत्रिम बुद्धिमता, संवैधानिक एवं सांस्कृतिक मूल्य, धरोहर संरक्षण एवं संवर्धन आदि का समावेश कर निर्देशिका को अद्यतन करना प्रासंगिक एवं आवश्यक है। नवीन संदर्शिका में कुछ नई जोड़ी गई थीम आधारित गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपने परिवेश के प्रति जागरूक करने के साथ–साथ विद्यार्थियों में दायित्व बोध बढ़ाने तथा उन्हें सभ्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में प्रभावी कदम सिद्ध होगा। आनंददायी एवं दबाव मुक्त शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक परिवेश में सहजता से सीखा हुआ ज्ञान स्थायी एवं सुदृढ़ रहता है। अतः यह कार्यक्रम शिक्षाशास्त्र एवं राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान करने वाला होगा।

इस कार्यक्रम की सफलता इसकी सुव्यवस्थित क्रियान्विति पर निर्भर रहेगी जो मुख्य रूप से संस्था प्रधानों, शिक्षक साथियों एवं विद्यार्थियों की समर्पित निष्ठा पर निर्भर करेगी। हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी विभाग की मंशानुसार इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय एवं सतत् सहयोग प्रदान कर राजस्थान के शैक्षिक परिदृश्य को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे।

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में दिशा–निर्देश

(A) संस्था प्रधान हेतु निर्देश–

1. शिविरा पंचांग 2024–25 के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के **द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार** को ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम मनाया जाना है। इस संदर्भ में विभिन्न अपेक्षित गतिविधियों का संग्रह इस एक्टिविटी बैंक मय निर्देशिका में किया गया है। समस्त संस्था प्रधान ‘नो बैग डे’ प्रभारी के माध्यम से उक्त गतिविधियों का सदुपयोग ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के प्रभावी एवं रोचक संपादन हेतु करें।
2. **‘नो बैग डे’** कार्यक्रम की निर्देशिका का आवश्यक रूप से अध्ययन कर लेवें। ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियाँ शिविरा पंचांग के अनुसार आयोजित की जाए। यदि पंचांग में किसी विशेष गतिविधि का उल्लेख है तो उसे प्राथमिकता देते हुए संबंधित शनिवार को शामिल की जाए। शिविरा पंचांग में दिये गए सप्ताह विशेष उत्सव, जयंती व पर्व का आयोजन उस सप्ताह के शनिवार को आयोजित ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की गतिविधियों में समाहित किया जाए अथवा शनिवारीय गतिविधियों के बाद उसका आयोजन किया जाए।
3. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम हेतु स्टाफ मींटिग का आयोजन जून माह के अंतिम सप्ताह में करें। इस मींटिंग में संस्था प्रधान द्वारा विद्यालय के ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी, थीम प्रभारियों व समूह प्रभारियों का गठन करेंगे जिन्हें वे प्रपत्र–अ के रूप में ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम के रजिस्टर में संधारित करेंगे। ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी थीम प्रभारियों से चर्चा के उपरांत जून के अंतिम कार्य दिवस तक ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की वार्षिक कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिसका संस्था प्रधान द्वारा अनुमोदन करवाएँ। प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप मासिक कार्ययोजना प्रपत्र–ब में तैयार करनी है।
4. ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम हेतु प्रभारियों की नियुक्ति–
   - **‘नो बैग डे’ कार्यक्रम प्रभारी** एवं **सह प्रभारी** नियुक्त करें जो ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों का समन्वय करेंगे एवं गतिविधि आयोजन की समस्त उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे।
   - **थीम प्रभारी**– ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम की निर्देशिका के अनुसार पाँच थीम हैं प्रत्येक थीम हेतु एक थीम प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित थीम में रूचि रखता हो या थीम विशेषज्ञ हो।
   - **समूह प्रभारी** की नियुक्ति– ‘नो बैग डे’ कार्यक्रम निर्देशिका के अनुसार पाँच समूह है– 1. अंकुर 2. प्रवेश 3. दिशा 4. क्षितिज 5. उन्नति। प्रत्येक समूह हेतु एक समूह प्रभारी और एक समूह सह प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित कक्षाओं के कक्षाध्यापक हो। यदि शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता

है तो 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी एवं थीम प्रभारी को समूह प्रभारी एवं सह प्रभारी नियुक्त नहीं करें।

5. प्रत्येक सोमवार को आगामी शनिवार को आयोजित होने वाली 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को प्रार्थना सभा में ही अवगत करवा दें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम गतिविधियों के वार्षिक योजना का फलेक्स तैयार कर विद्यालय परिसर में चस्पा करें।

6. मासिक योजना में निर्धारित कालांश, समय एवं स्थान के अनुसार गतिविधियों का आयोजन कर समूह प्रभारी एवं थीम प्रभारी संयुक्त रूप से प्रतिवेदन तैयार कर नो बैग डे प्रभारी को सौंप दें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी संकलित प्रतिवेदन के आधार पर गतिविधि का संख्यात्मक डाटा तैयार कर शाला दर्पण मॉड्यूल में अपडेट करेंगे। संबंधित थीम प्रभारी थीम के अनुसार पोर्टफोलियो का निर्माण करेंगे प्रत्येक पोर्टफोलियो थीम आधारित होगा। समस्त प्रतिवेदनों को संबंधित थीम के पोर्टफोलियो में संधारित करेंगे एवं सभी गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/ फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करे जिसकी सॉफ्ट या हार्ड कॉपी सत्र पर्यन्त संरक्षित व सुरक्षित रखी जाए।

7. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षक और विद्यार्थियों को 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी की अनुशंसा पर पाँचवे शनिवारीय कार्यक्रम या वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित करें।

8. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों को आयोजित करने हेतु सामान्य जानकारी–

   - 'नो बैग डे' कार्यक्रम निर्देशिका में दी गई गतिविधियों के लिंक/क्यूआर कोड को स्कैन कर मदद ली जा सकती है। इस निर्देशिका में दी गई गतिविधियाँ आधार मात्र हैं। इसके अतिरिक्त गतिविधियों का चयन शिक्षक अपने स्व–विवेक या ऑनलाइन सर्च करके भी सुनिश्चित कर सकते हैं। गतिविधि के चयन के पश्चात् एवं सम्मिलित करने से पूर्व शिक्षक विद्यालय के संस्था प्रधान से अनुमोदन अवश्य करवा लें।
   - गतिविधियों में मानवीय मूल्यों जैसे– करूणा, दया, प्रेम व सहयोग आदि के साथ–साथ नैतिक मूल्यों जैसे ईमानदारी, सहिष्णुता, सदाचार, देशप्रेम, राष्ट्रभक्ति आदि को भी विकसित किए जाने के उद्देश्यों को समाहित करें।
   - गतिविधियों का आयोजन करते समय गतिविधि की विषयवस्तु स्थानीय रीति–रिवाजों संबंधी जानकारी, कुरीतियों को दूर करने संबंधी प्रयास, उत्सवों, सांस्कृतिक धरोहरों को समाहित करते हुए चयन करें।
   - 'नो बैग डे' कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु नवीन गतिविधियों को समय, स्थान एवं परिस्थितियों के अनुकूल जोड़ें।

- पाठ्यपुस्तकों में दी गई गतिविधियाँ भी शामिल की जा सकती है।
- गतिविधियों के लिए समूह को उपसमूह में लिंग या कक्षा–स्तर के आधार पर नही बनाएँ।
- 'नो बैग डे' कार्यक्रम के दौरान निर्मित श्रेष्ठ कलाकृतियाँ/मॉडल/पोस्टर/क्राफ्ट को प्रदर्शित करने हेतु 3-H Corner बनाए जाएँ।

(B) 'नो बैग डे' कार्यक्रम के प्रभारियों के लिए निर्देश–

1. शनिवार को आयोजित होने वाली 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में उस सप्ताह के सोमवार को समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रार्थना सभा में ही अवगत करवा दें।
2. थीम प्रभारी एवं समूह प्रभारी के सहयोग से 'नो बैग डे' कार्यक्रम के आयोजन के बाद प्रतिवेदन तैयार करवाकर थीमवार पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे सत्रांत कार्यालय में जमा करवाएँ। प्रतिवेदन में गतिविधियों के आयोजन से संबंधित सुझाव लिखें जिससे आगामी गतिविधियों को श्रेष्ठ बनाया जा सके।
3. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नाम संस्था प्रधान को दें।
4. गतिविधियों के आयोजन के बाद विद्यालय के शिक्षकों से फीडबैक लेना सुनिश्चित करें। इस हेतु पाँचवे शनिवार को पूर्व आयोजित गतिविधियों का फीडबैक लिया जाए। इसके साथ आयोजित गतिविधियों को शिक्षण कार्य से जोड़ें, मौखिक परीक्षा एवं प्रायोगिक कार्य में भी पूर्व में आयोजित गतिविधियों को शामिल किया जा सकता है।
5. 'नो बैग डे' कार्यक्रम के आयोजन के बाद आयोजन की सूचना शालादर्पण पोर्टल पर अपलोड करें।
6. गतिविधि प्रारंभ करने से पूर्व विद्यार्थियों का ध्यानाकर्षण करने हेतु छोटी–छोटी ऊर्जावान गतिविधि करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे जैसे–
   - शिक्षक हाय बोलेगा तो विद्यार्थी हैलो कहेंगे (2-3 बार पुनरावृति)।
   - ताली अथवा चुटकी बजाना।
   - व्यायाम करवाना जैसे– हाथ ऊपर उठाकर दाएँ–बाएँ हिलाना, सिर को दाएँ अथवा बाएँ तरफ झुकाना इत्यादि।

अनुक्रमणिका

- मुख्य पृष्ठ
- दिशा-बोध संदेश (शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान)
- प्राक्कथन (निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर)
- नो बैग डे के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश
- नो बैग डे शनिवारीय समय-सारणी
- अनुक्रमणिका

क्र. सं.	नो बैग डे गतिविधियाँ	पृष्ठ संख्या
1	जुलाई, 2024	1
2	अगस्त, 2024	9
3	सितंबर, 2024	19
4	अक्टूबर, 2024	25
5	नवंबर, 2024	30
6	दिसंबर, 2024	37
7	जनवरी, 2025	42
8	फरवरी, 2025	49
9	मार्च, 2025	56
10	अप्रैल, 2025	65
11	संलग्नक 1 (आउटडोर खेल गतिविधियाँ)	70
12	संलग्नक 2 (मॉनिटरिंग प्रपत्र)	71

जुलाई 2024

थीम - आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - राजस्थान के संभाग व जिले 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- राजस्थान के संभागों की भौगोलिक स्थिति को जानना।
- राजस्थान के संभागों में स्थित जिलों की भौगोलिक स्थिति को जानना।

आवश्यक सामग्री - राजस्थान का मानचित्र, कागज या गत्ते के खाली बॉक्स और जिलों के नाम की पर्चियाँ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - गतिविधि से पूर्व शिक्षक कक्षा में राजस्थान के संभाग व जिलों की स्थिति के संदर्भ में जानकारी दीजिए।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष राजस्थान का मानचित्र प्रदर्शित करेंगे।
- विद्यार्थियों को संभाग की संख्यानुसार समूहों में विभाजित करेंगे तथा प्रत्येक समूह के एक प्रतिभागी द्वारा मानचित्रों पर अलग-अलग रंगों से संभागों की सीमा को चिह्नित करवाएँगे।
- प्रत्येक संभाग के लिए एक - एक बॉक्स बनाएँगे और विद्यार्थियों के समक्ष रखेंगे।
- जिलेवार पर्चियाँ बनाएँ व विद्यार्थियों के समक्ष रखें, विद्यार्थियों को एक - एक पर्ची का चयन कर संबंधित संभाग वाले बॉक्स में डालने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों द्वारा संभागों तथा संबंधित जिलों के नाम श्यामपट्ट पर अंकित किए जाएँगे।

(इस प्रक्रिया में कक्षा की संख्यानुसार विद्यार्थी को एक से अधिक बार अवसर दिया जा सकता है तथा विद्यार्थी के सही चयन पर सदन प्रशंसा करेगा तथा गलत चयन पर शिक्षक द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी)

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी राजस्थान के संभाग व जिलों के नाम एवं भौगोलिक स्थिति से अवगत होंगे।

अन्य गतिविधि - वृक्षारोपण

गतिविधि का नाम - 'पौधों की वृद्धि पर विभिन्न कारकों का प्रभाव' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को पौधों की वृद्धि में विभिन्न पर्यावरणीय कारकों (जैसे- पानी, प्रकाश, मिट्टी की गुणवत्ता) के प्रभाव को समझने में सहायता करना।
- फसलों के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रयोगात्मक विधि का परिचय देना।

आवश्यक सामग्री - 5 छोटे पौधे (समान प्रकार के), 5 छोटे गमले, विभिन्न प्रकार की मिट्टी (रेतीली, चिकनी, उपजाऊ मिट्टी आदि), पानी, एक स्थान जो सूर्य के प्रकाश में आता है और एक ऐसा स्थान जहाँ सूर्य का प्रकाश नहीं आता हो, नोटबुक और पेंसिल।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यार्थियों को पौधों की वृद्धि में विभिन्न पर्यावरणीय कारकों से अवगत कराएँ और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएँ।

गतिविधि के चरण -

- सबसे पहले विद्यार्थियों को पाँच समूहों में विभाजित करेंगे ।
- प्रत्येक समूह को एक-एक गमला आवंटित करेंगे।
- प्रत्येक समूह के गमलों में भिन्न-भिन्न प्रकार की मिट्टी डालेंगे। उदाहरण के लिए एक गमले में रेतीली मिट्टी, दूसरे में चिकनी मिट्टी और तीसरे में उपजाऊ मिट्टी।
- हर गमले में समान प्रकार के छोटे पौधे लगाएँगे।
- अब प्रत्येक समूह द्वारा निम्नलिखित क्रिया की जाएगी -
    - पहले गमले को सामान्य से अधिक मात्रा में पानी देंगे।
    - दूसरे गमले को बहुत कम पानी देंगे।
    - तीसरे गमले को नियमित व निश्चित मात्रा में पानी देंगे और उसे सूरज की रोशनी में रखेंगे।
    - चौथे गमले को नियमित व निश्चित मात्रा में पानी देंगे और उसे अंधेरे में रखेंगे।
    - पाँचवें गमले में सामान्य मात्रा व निश्चित में पानी देंगे और उसे उपजाऊ मिट्टी में रखेंगे।
    - इस गतिविधि के पश्चात आगामी 4-5 सप्ताह तक विद्यार्थी शिक्षक की उपस्थिति में पौधों की स्थिति का अवलोकन कर प्रगति रिपोर्ट अपनी नोटबुक में लिखेंगे साथ ही चर्चा करेंगे कि कैसे पानी की मात्रा, प्रकाश की उपलब्धता और मिट्टी की गुणवत्ता पौधों की वृद्धि को प्रभावित करती है।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी पौधों की वृद्धि पर विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव को जानेंगे।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा जिससे कृषि विज्ञान के महत्त्व की समझ भी विकसित होगी।

थीम -भाषा- समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम - 'वर्णों के उच्चारण स्थानों को जानें' 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- वर्णों के उच्चारण स्थान की पहचान व ध्वनि नाम की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री- दो टेबल, वर्णमाला चार्ट, शब्द कार्ड (स्वर, स्पर्श व्यंजन, ऊष्म व्यंजन, अंतस्थ व्यंजन, संयुक्त व्यंजन के चार्ट) तथा स्वर युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण -

उच्चारण स्थान के आधार -

वर्ण	उच्चारण स्थान	ध्वनि नाम
अ, आ, कवर्ग (क्, ख्, ग्, घ्, ङ्), ह्	कंठ	कंठ्य
इ, ई, चवर्ग (च्, छ्, ज्, झ्, ञ्), य्, श्	तालु	तालव्य
ऋ, टवर्ग (ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्), ढ़् ड़्, ष्, र्,	मूर्द्धा	मूर्द्धन्य
तवर्ग (त्, थ्, द्, ध्, न्) , ल्, स्	दांत	दन्त्य
उ, ऊ, पवर्ग (प्, फ्, ब्, भ्, म्)	ओष्ठ	ओष्ठ्य
ए, ऐ	कंठ व तालु	कंठ्य – तालव्य
व्	दांत व ओष्ठ	दन्तोष्ठ्य
ओ, औ	कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गतिविधि के बारे में सामान्य निर्देश दें।
- शिक्षक एक-एक विद्यार्थी को टेबल के आमने-सामने खड़ा करें।
- शिक्षक उच्चारण स्थान व ध्वनि नाम चार्ट पेपर पर लिख लें।
- कक्षा के सभी विद्यार्थियों को समान रूप से अवसर दें।
- गतिविधि को शुरू करने से पहले विद्यार्थियों की संख्यानुसार वर्ण कार्ड, शब्द कार्ड और चार्ट छाँटकर रखें।

गतिविधि के चरण –

- शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में समूह बनाएँगे।
- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को एक-एक वर्ण कार्ड दिया जाएगा।
- उच्चारण स्थान व ध्वनि नाम के अनुसार विद्यार्थी अपने-अपने वर्णों को जमाएँगे।
- प्रत्येक समूह को पाँच-पाँच शब्द कार्ड दें और उन शब्दों का उपयोग करते हुए एक-एक वाक्य लिखने के लिए कहेंगे।

- विद्यार्थियों द्वारा लिखे गए वाक्यों से उच्चारण स्थान और नाम ध्वनि को अलग-अलग करना।
- शिक्षक वर्णों से संबंधित सामान्य चर्चा करेंगे (यथा -स्वर, उनके भेद, स्पर्श व्यंजनों के प्रकार, अंतस्थ व्यंजन, ऊष्म व्यंजन, संयुक्त व्यंजन आदि के संबंध में चर्चा) फिर शिक्षक स्वरयुक्त व्यंजन के उच्चारण स्थान पूछेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी वर्णों के उच्चारण स्थान व नाम ध्वनि को समझ जाएँगे।
- साहित्य की अलग-अलग विधाओं में पढ़े शब्दों के उच्चारण मानक में अंतर करना सीखेंगे।

अन्य गतिविधि - साइबर सुरक्षा

गतिविधि का नाम - 'साइबर सुरक्षा क्विज' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्त्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी देना और उनको इन पहलुओं को मजेदार और रोचक तरीके से सिखाना।

आवश्यक सामग्री - साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्नों की सूची, कागज, पेंसिल, व्हाइटबोर्ड और मार्कर।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक क्विज हेतु प्रश्नों की सूची तैयार करें।

गतिविधि के चरण-

साइबर सुरक्षा क्विज

- विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूह में विभाजित करेंगे।
- प्रत्येक समूह को प्रश्नों की सूची देंगे और उन्हें उत्तर देने के लिए कहेंगे। प्रश्न निम्नलिखित हो सकते हैं-
  - सुरक्षित पासवर्ड कैसा होना चाहिए?
  - आपकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा करना क्यों खतरनाक हो सकती है?
  - साइबर धमकी क्या है? और इससे कैसे बचा जा सकता है?
  - संदिग्ध लिंक या ई-मेल पर क्लिक करने से क्या हो सकता है?

उत्तर प्रस्तुत करना

- प्रत्येक समूह को अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे।
- उत्तरों पर चर्चा करेंगे और सही उत्तर बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थी साइबर सुरक्षा के महत्त्वपूर्ण पहलुओं से परिचित होंगे।

थीम - स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम - 'स्वयं को जानें' 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में शारीरिक वृद्धि की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - फीता, दीवार पर अंकित स्केल, वेट मशीन, चार्ट, स्केच कलर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश –

- शिक्षक शारीरिक वृद्धि के बारे में विस्तृत चर्चा करें।
- गतिविधि के संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।

गतिविधि के चरण -

- कक्षाध्यापक एवं शारीरिक शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों को कक्षानुसार पंक्तियों में बिठाएँगे।
- इस गतिविधि का प्रारंभ कुछ रोचकता से किया जाएगा। इसके लिए किसी एक विद्यार्थी को दीवार के सहारे खड़ा करके उसको दोनों हाथ फैलाने को कहा जाएगा।
- अब अन्य विद्यार्थी अनुमान लगाएँ तथा शिक्षक इसमें रोचकता लाने के लिए इसे खेल के माध्यम से करवाएँगे।
- शिक्षक द्वारा विद्यार्थी के हाथों को फैलाकर दी गई लंबाई और फिर पैर से सिर की लंबाई का मापन किया जाएगा। मापन के लिए धागे या डोरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इसी प्रकार सभी विद्यार्थियों का मापन किया जाएगा फिर डोरी द्वारा ली गई नाप को फीते से नाप लेंगे।
- सभी आँकड़ों की सूची बना कर विद्यार्थियों को बताएँगे कि इस प्रकार से शरीर की वृद्धि को मापा जा सकता है।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में शारीरिक वृद्धि की समझ विकसित होगी।

अन्य गतिविधि - रक्तदान

गतिविधि का नाम - 'रक्तदान की महत्ता' 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्त्व और उसकी आवश्यकता के बारे में जागरूक करना।
- रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना।

- रक्तदान के महत्व को रोचक और मजेदार गतिविधियों के माध्यम से सिखाना।

आवश्यक सामग्री- रक्तदान से संबंधित चित्र, पोस्टर, प्रोजेक्टर (यदि उपलब्ध हो) या बड़ी स्क्रीन, कागज, पेंसिल, रंगीन पेंसिल/क्रेयॉनटॉफी/चॉकलेट (प्रशंसा हेतु)

शिक्षक हेतु निर्देश –

- शिक्षक कहानी 'राजू का रक्तदान' की स्क्रिप्ट तैयार करें।
- शिक्षक छोटे-छोटे प्रमाणपत्र तैयार करें जिन पर 'रक्तदान जागरूकता प्रमाणपत्र' लिखा हो।

गतिविधि के चरण-

परिचय और कहानी सुनाना (10 मिनट)

- शिक्षक एक छोटी और सरल कहानी सुनाएँगे जिसमें एक व्यक्ति के रक्तदान से किसी की जान बचती है।
- उदाहरण: "राजू का रक्तदान"
- "राजू एक नेक दिल विद्यार्थी था। एक दिन उसने सुना कि उसके एक मित्र को खून (रक्त) की बहुत जरूरत है। राजू ने संवेदनशीलता से रक्तदान किया और उसके मित्र की जान बच गई। सभी ने राजू की तारीफ की और उसने अनुभव किया कि रक्तदान कितना महत्त्वपूर्ण है।"

रक्तदान का महत्व समझाना (10 मिनट)

- रक्तदान के महत्व को सरल शब्दों में समझाएँगे।
- रक्तदान से जुड़े फायदे और इससे बचाई जा सकने वाली जिंदगियों की जानकारी देंगे।
- विद्यार्थियों को बताएँगे कि रक्तदान सुरक्षित है और इससे किसी को नुकसान नहीं होता।
- यदि प्रोजेक्टर उपलब्ध है तो एक छोटा वीडियो दिखाएँ जिसमें रक्तदान के महत्व और प्रक्रिया को दर्शाया गया हो।
- यदि प्रोजेक्टर उपलब्ध नहीं है तो चित्र और पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएँगी।

कला गतिविधि (30 मिनट)

- विद्यार्थियों को कागज और रंगीन पेंसिल/क्रेयॉन दिए जाएँगे।
- विद्यार्थियों से कहा जाएगा कि वे रक्तदान पर एक पोस्टर बनाएँ और एक संदेश लिखेंगे।

प्रस्तुति और प्रशंसा (10 मिनट)

- प्रत्येक समूह और बच्चे अपने पोस्टर और संदेश प्रस्तुत करेंगे।
- सभी विद्यार्थियों को उनके प्रयास के लिए छोटे-छोटे प्रमाणपत्र दिए जाएँगे।
- प्रशंसा के रूप में सभी विद्यार्थियों को टॉफी/चॉकलेट दी जाएगी।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी रक्तदान के महत्व को समझेंगे।
- विद्यार्थियों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।
- विद्यार्थियों के मन में रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियाँ दूर होंगी।
- विद्यार्थियों में समाज सेवा और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित होगी।

थीम - खेल - खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'आओ अनुमान लगाएँ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को अनुमानित और वास्तविक मापों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री - निश्चित माप के लकड़ी के कुछ टुकड़े, स्केल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को मापन संबंधी सामान्य जानकारी दें।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा किसी कक्षा-कक्ष की लंबाई और चौड़ाई को बालिश्त अथवा किसी निश्चित माप की लकड़ी से मापना बताया जाएगा।
- अब विद्यार्थियों को सबसे पहले किसी कक्षा-कक्ष या बरामदे की लंबाई कितने बालिश्त हो सकती है, इसका अनुमान लगवाया जाएगा।
- इसी प्रकार एक निश्चित माप की लकड़ी को दिखाते हुए किसी कमरे या बरामदे की लंबाई और चौड़ाई (स्केल / लकड़ी के माप के अनुसार) का अनुमान लगाने के लिए कहा जाएगा।
- अब विद्यार्थियों से स्केल / लकड़ी द्वारा वास्तविक मापन करवाया जाएगा।
- इसी प्रकार किसी टेबल या अन्य वस्तु / स्थान की लंबाई, चौड़ाई और ऊँचाई का अनुमान व वास्तविक माप में अंतर बता सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अनुमानित और वास्तविक मापन में अंतर कर सकेंगे।

अन्य गतिविधि - निपुण भारत

गतिविधि का नाम - 'मनमौजी दुकानदार' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में दैनिक जीवन के लिए उपयोगी गणितीय गणनाओं की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - 10 रुपये के नोट (कार्ड से बनाएँ हुए) व एक रुपये के सिक्के, कीमत लिखी हुई वस्तुएँ, ABL किट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश – शिक्षक उपलब्ध वस्तुओं से एक दुकान जैसा सेटअप तैयार करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक दुकानदार बनेंगे, सामग्री की सूची और मूल्य वाला चार्ट लगाएँगे।
- मनमौजी दुकानदार सिर्फ 10 व 1 रुपये के ही नोट लेता है। अतः 10 व 1 रुपये के नोट वाले कागज से बनाए हुए कार्ड रखे होंगे।
- विद्यार्थी दुकानदार से अपनी बारी आने पर सामान खरीदेंगे तथा अंकित मूल्य के अनुसार भुगतान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थियों में दैनिक जीवन के लिए उपयोगी गणितीय गणनाओं की समझ विकसित होगी।

अगस्त 2024

थीम - आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'हमारे पड़ोसी राज्य और देश' (म्यूजिकल चेयर) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति, पड़ोसी राज्यों व अंतरराष्ट्रीय सीमा के संदर्भ में समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - चूना पाउडर, कुर्सी / स्टूल, मानचित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक द्वारा गतिविधि से पूर्व राजस्थान के मानचित्र बनाने से संबंधित बिंदुओं का अध्ययन कर लें ।

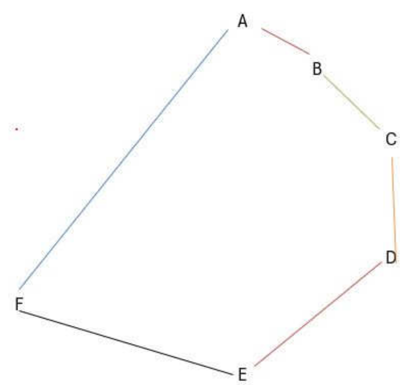

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक दिए गए मानचित्र के अनुसार मैदान पर राजस्थान का मानचित्र अंकित करेंगे और साथ ही विशेष अंकित बिंदुओं (किसी राज्य की अन्य राज्य या देश से सीमा लगे) पर कुर्सी या स्टूल रखी जाएगी।
- सभी विद्यार्थियों को मानचित्र के बाहर षट्कोण आकृति में कुर्सी रख कर म्यूजिकल चेयर खेल खिलाया जाएगा।
- इस दौरान ध्यान रखा जाएगा कि कुर्सियों के मध्य की दूरी एक राज्य/देश की विशेष सीमा को दर्शाएँ तथा पड़ोसी राज्य/देश की सीमा की लंबाई के अनुसार दूरी भी कम-ज्यादा हो।
- एक बार में 7 प्रतिभागी खेल में भाग लेंगे, आउट होने के बाद दूसरे विद्यार्थी को खेल में स्थान दिया जाएगा तथा सभी विद्यार्थियों की बारी आने तक खेल को जारी रखेंगे।

नोट - सर्वाधिक दूरी से कम दूरी पर स्थित कुर्सियों के माध्यम से अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय सीमा व उनकी दूरी (किलोमीटर में) के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी राजस्थान की भौगोलिक स्थिति, आकृति व विस्तार की समझ बना पाएँगे।
- विद्यार्थी राजस्थान के पड़ोसी राज्यों व देश को पहचानकर, उनकी राजस्थान से लगने वाली सीमाओं की लंबाई के बारे में जानेंगे।

अन्य गतिविधि - एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम - 'घूमर एवं बिहू' (राजस्थान और असम राज्य के मुख्य लोकनृत्य) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को असम व राजस्थान राज्य के मुख्य लोक नृत्य से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री - घूमर और बिहू लोक नृत्य के वीडियो लिंक, साउंड सिस्टम आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- घूमर व बिहू नृत्य (राजस्थान और असम राज्य के मुख्य लोकनृत्य) के विडियो विद्यार्थियों के समक्ष प्रदर्शित करें।

1.घूमर लोक नृत्य वीडियो लिंक - https://youtu.be/nHhRWgkkpMk

2.बिहू लोक नृत्य वीडियो लिंक - https://youtu.be/7wD_kIfK7Cc

घूमर लोक नृत्य

बिहू लोक नृत्य

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धता अनुसार प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को घूमर और बिहू लोक नृत्य के वीडियो दिखाएँगे ।

- वीडियो देखने के पश्चात घूमर और बिहू लोक नृत्यों की विशेषताओं को बताएँगे।
- इन नृत्यों में पहनी जाने वाली वेशभूषा, वाद्ययंत्र, नृत्य करने का अवसर, गीत और अन्य पहलुओं तथा नृत्यों की समानताओं पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक दोनों राज्यों (राजस्थान और असम) के अन्य लोक नृत्यों की सामान्य चर्चा भी करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को दोनों नृत्यों को स्वयं करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दोनों राज्यों (राजस्थान और असम) के लोक नृत्य, संस्कृति, वेशभूषा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।
- विद्यार्थियों में विविधता में एकता की भावना का विकास होगा।

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'सुनो-सुनाओ, शब्दकोश बढ़ाओ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों के हिंदी व अंग्रेजी शब्दकोश में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों में शब्दों को व्याकरण की दृष्टि से पहचान कर भाषा की समझ को बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री- वर्ग पहेली, अंग्रेजी व हिंदी के शब्द कार्ड।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- सभी विद्यार्थियों को उनके स्तरानुसार गतिविधि में सम्मिलित करें ।
- शिक्षक पूर्व में वर्ग पहेली बनाकर रख लें।

C	L	A	S	S	R	O	O	M
B	I	H	L	A	B	F	B	C
A	B	O	E	L	A	F	J	O
N	R	S	E	T	T	I	E	M
K	A	P	P	E	H	C	C	P
D	Y	I	I	A	R	E	T	U

B	A	T	N	C	O	K	I	T
T	E	A	G	H	O	E	V	E
S	I	L	K	Q	M	Y	E	R

नोट- यहाँ उदाहरण के तौर पर एक वर्ग पहेली दी जा रही है, शिक्षक आवश्यकता अनुसार अपनी स्वयं की वर्ग पहेली भी निर्मित कर सकते हैं।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम शिक्षक विद्यालय परिसर जैसे- खेल मैदान ,कक्षा-कक्ष, कम्प्यूटर लैब, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कार्यालय आदि के नाम हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विद्यार्थियों से पूछेंगे।
- विद्यालय परिसर से बाहर की वस्तुएँ अस्पताल, बैंक, डाकघर, बाजार ,घेरलू वस्तुएँ, दैनिक उपयोगी सामान आदि के नाम हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पूछेंगे।
- शिक्षक हिंदी व अंग्रेज़ी के शब्द कार्ड बना लें और दो-दो के समूह में एक बच्चे को हिंदी का दूसरे को अंग्रेजी शब्द कार्ड दें और एक दूसरे से पूछे जैसे-एक विद्यार्थी 'पुस्तकालय' शब्द और दूसरा अंग्रेजी में 'लाइब्रेरी' शब्द दिखाएँगे।
- विद्यार्थी शिक्षक की सहायता से वर्ग पहेली से शब्दों को खोजकर लिखेंगे।
- शिक्षक पुस्तकालय की पुस्तकों से समान अर्थ देने वाले हिंदी व अंग्रेजी शब्दों की सूची बनवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि होगी तथा वे विविध भाषा के शब्दों का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

विशिष्ट गतिविधि - जीवन है अनमोल

(सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल) सड़क सुरक्षा गतिविधि

गतिविधि का नाम- 'रुको, देखो, समझो और चलो' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- यातायात के संकेतों एवं सड़क सुरक्षा के नियमों की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री- यातायात संबंधी नियमों की जानकारी एवं संकेतों के चित्र।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक यातायात के संकेतो के चित्र पूर्व में किसी चार्ट पेपर पर बना लें। जैसे- ट्रेफिक लाइट्स (लाल, पीली, हरी), स्पीड लिमिट, अस्पताल, विद्यालय, घुमाव, जेब्रा लाइन आदि।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक यातायात के संकेतों को दिखाते हुए विद्यार्थियों को उन संकेतों के बारे में जानकारी देंगे।
- शिक्षक एक-एक करके संकेतों की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा करेंगे ।
- शिक्षक यातायात के नियमों से विद्यार्थियों को अवगत कराएँगे।
- विद्यार्थियों से यातायात के नियमों पर पोस्टर भी बनवाए जाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी यातायात के संकेतों एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक होंगे।

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम - 'फूलों की सड़क' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में एकाग्रता एवं शारीरिक सक्रियता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री – रस्सी व चूना पाउडर।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक ध्यान रखें कि गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों को चोट ना लगें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक उपस्थित विद्यार्थियों को दो बराबर समूह में बाँटेगा। समूहों के बीच में एक रेखा खींचकर उसके दोनों तरफ बराबर दूरी पर विद्यार्थियों को आमने - सामने मुँह करके कतार में खड़ा कर दिया जाएगा।
- पहला समूह मध्य पंक्ति की तरफ चलते हुए गीत गाएगा "हम फूलों की सड़क पर चलते हैं।" दूसरा समूह मध्य पंक्ति की तरफ चलते हुए गीत गाएगा "हम ठंडी हवा में चलते हैं।" पहला समूह फिर गीत गाएगा "तुम किसको लेना चाहते हो।" दूसरा समूह गाएगा- "हम (प्रथम समूह के किसी विद्यार्थी का नाम उच्चारित करते हुए) को लेना चाहते हैं।"
- अब पहला समूह बोलेगा "किसके साथ ?" दूसरा समूह अपने समूह में से किसी विद्यार्थी का नाम लेते हुए बोलेगा "(विद्यार्थी का नाम) के साथ।" जिन विद्यार्थियों का नाम लिया गया है अब वे बीच में खींची गई लाइन के पास आ जाएँगे।
- दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर अपनी ओर खींचने का प्रयास करेंगे। दोनों में से जो विद्यार्थी दूसरे विद्यार्थी को खींचते हुए लाइन के पार लें जाएगा, वह विद्यार्थी अब उसी समूह का सदस्य बन जाएगा। फिर से इसी प्रक्रिया को करते हुए खेल को आगे बढ़ाया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में एकाग्रता एवं एवं शारीरिक सक्रियता का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि - सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान

(असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरूकता)

गतिविधि का नाम - 'अच्छा व बुरा स्पर्श' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में अच्छे व बुरे स्पर्श की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को बुरे स्पर्श के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री - प्रोजेक्टर, लैपटॉप/कम्प्यूटर, स्पीकर (यदि हो तो, अन्यथा आप फ्लेक्सी शीट, बैनर, चार्ट, पोस्टर्स इत्यादि सामग्री का उपयोग भी कर सकते हैं।)

शिक्षक हेतु निर्देश-

- वीडियो दिखाने से पूर्व सभी आवश्यक उपकरणों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर लें।
- शिक्षक गतिविधि से पूर्व विद्यार्थियों को असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरूकता कि सामान्य जानकारी प्रदान करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक अच्छे एवं बुरे स्पर्श के अंतर को **वीडियो** के माध्यम से समझाने के लिए नीचे दिए गए **क्यू आर कोड** को स्कैन करेंगे:
- शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करेंगे-
  - यह समझना बहुत जरूरी है कि अच्छा और बुरा स्पर्श केवल लड़कियों के साथ ही नहीं बल्कि लड़कों के साथ भी होता है।
  - यह बताना आवश्यक है कि अधिकतर ऐसा पाया गया है कि बुरा स्पर्श करने वाले व्यक्ति हमारे जान-पहचान वाले या करीबी रिश्तेदार भी हो सकते हैं।
  - माता- पिता, भाई-बहिन के अलावा कोई उन्हें चॉकलेट दें, गिफ्ट दें तो उनको कहना है 'No' means 'No' (नहीं मतलब नहीं)
  - अगर कोई आपका परिचित या अपरिचित आपको बार-बार किसी भी तरह का प्रलोभन दे रहा है और आपसे उसे छुपाने को कहा जा रहा है, तो हमें इसे अपने माता-पिता से कहना चाहिए।

इस पूरे सत्र के पश्चात् याद रखने योग्य बिंदु -

1. सुरक्षित स्पर्श की जानकारी।
2. बुरे स्पर्श को कैसे पहचाने ?
3. असुरक्षित स्पर्श से सावधान रहने के तरीके।
4. यदि आप असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं तो क्या करें ?
5. इस विषय से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ।

नोट:- इस दिन पूरे राजस्थान में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु प्रशिक्षित राजकीय शिक्षकों / अधिकारियों एवं अन्य स्वयं सेवकों द्वारा एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। आप अपने यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक भी तैयार रखेंगे।

Child Helpline Number- 1098

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में अच्छे व बुरे स्पर्श की समझ विकसित होगी तथा बुरे स्पर्श का विरोध करने की हिम्मत और समझ विकसित होगी।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - मैं..... होता तो ? 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन एवं अभिव्यक्ति कौशल का निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री - कुछ विशेष शीर्षक पर लिखी हुई पर्चियाँ।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी की सहभागिता सुनिश्चित करें।

गतिविधि के चरण -

- एक बॉक्स में कुछ निश्चित टॉपिक लिखी हुई पर्चियाँ रखेंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी को पर्ची उठाकर 3 मिनट सोचने के लिए कहें और 5 मिनट उस टॉपिक पर बोलने के लिए दिए जाएँ।
- टॉपिक इस प्रकार हो सकते हैं-
    - यदि मैं वैज्ञानिक होता ?
    - यदि मैं चाँद पर होता ?
    - मैं कौनसी मशीन बनाना चाहता हूँ और क्यों ?
    - मुझे कौनसा वाहन सबसे अच्छा लगता है और क्यों ?

- मैं अपने घर को सुंदर बनाने के लिए क्या करूँगा ?
- मेरे भविष्य का क्लासरूम कैसा होगा ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति में वृद्धि होगी।
- विद्यार्थियों में चिंतन एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

अन्य गतिविधि - अंगदान

गतिविधि का नाम- 'आओ पोस्टर बनाएँ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में अंगदान के महत्त्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री- चार्ट पेपर, रंग, पेंसिल, मार्कर, गोंद, कैंची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

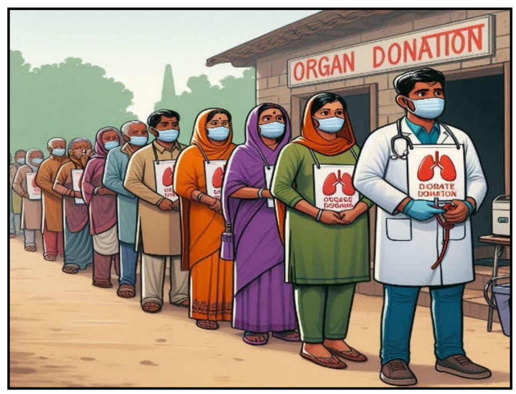

- विद्यार्थियों को पोस्टर बनाने के लिए 20 मिनट का समय दें।
- विद्यार्थियों को निर्देश दें कि वे पोस्टर पर सृजनात्मकता, जानकारी और संदेश स्पष्ट रूप से अंकित करें।
- गतिविधि के लिए एक उपयुक्त समय और स्थान निर्धारित करें जैसे कला कक्ष या स्कूल का हॉल।

गतिविधि के चरण -

- **अंगदान का परिचय**- विद्यार्थियों को अंगदान का महत्त्व सरल भाषा में समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि वे समाज में अंगदान हेतु लोगों को जागरूक कर सकते हैं। उदाहरण के लिए पोस्टर दिखाएँ जो अंगदान पर आधारित हों, ताकि विद्यार्थियों को प्रेरणा मिले।
- **विषय चयन**- विद्यार्थियों को पोस्टर निर्माण हेतु अंगदान से संबंधित विभिन्न विषय चुनने के लिए कहेंगे जैसे- 'अंगदान का महत्त्व', 'अंगदान की प्रक्रिया' आदि।
- **प्रस्तुति और चर्चा**- विद्यार्थियों को उनके पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे। विद्यार्थी अपने पोस्टर का महत्त्व और उसमें दिखाएँ गए संदेश को संक्षेप में समझाएँगे।

- **प्रश्नोत्तरी**-प्रस्तुति के दौरान अन्य विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे जिससे जिज्ञासु प्रवृत्ति विकसित हो सके।
- **पुरस्कार वितरण**- श्रेष्ठ पोस्टर के लिए पुरस्कार या प्रमाण-पत्र देंवे जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिल सकें।
- विद्यार्थियों से फीडबैक लेंगे की उन्होंने इस गतिविधि से क्या सीखा।

सीखने के प्रतिफल- अंगदान पोस्टर मेंकिंग गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी अंगदान के महत्त्व के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनेंगे।

थीम - बाल सभा मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम - आओ चुने हमारी सरकार (संसद चुनाव) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों के द्वारा चुनाव प्रक्रिया में भाग लेकर चुनाव प्रक्रिया को जानना।

आवश्यक सामग्री- मतदान पेटी, नामांकन-पत्र, स्टांप पैड, चुनाव , मतदान पर्ची, ट्रे, मार्कर, पेन आदि

शिक्षक हेतु निर्देश-

- मतदान से एक दिन पूर्व शिक्षक मतदान प्रक्रिया तथा नामांकन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दें।
- मतदान कक्ष, मतदान पेटी संबंधित प्रपत्र पहले से तैयार रखें।
- शिक्षक चुनाव प्रभारी, मतदान दल, मतदान गिनती कर्मचारी की भूमिका निभाएँ।

गतिविधि के चरण-

होने वाले चुनाव की घोषणा प्रार्थना सभा में संस्था प्रधान द्वारा की जाएगी।

- प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र (अन्य विद्यार्थी कम से कम तीन के साथ) चुनाव प्रभारी को सौंपेंगे।
- चुनाव प्रभारी द्वारा सभी प्रत्याशियों को एक-एक चुनाव चिह्न दिया जाएगा।
- कक्षा 6 व उससे उच्च कक्षा के सभी विद्यार्थियों के बीच प्रत्याशी अपना चुनाव प्रचार मध्यांतर में करेंगे।
- चुनाव के दौरान एक-एक विद्यार्थी द्वारा मतदान, गुप्त मतदान प्रणाली द्वारा किया जाएगा।
- चुनाव पश्चात मतों की गिनती होगी तथा सर्वाधिक मत प्राप्त प्रत्याशी को विजेता घोषित किया जाएगा।
- विजेता प्रत्याशियों द्वारा अपने मुखिया का चयन कर मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा।
- मंत्रिमंडल के गठन के बाद सभी मंत्री अपने पद की शपथ लेंगे।

नोट- शिक्षक चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन हेतु स्काउट गाइड, एनसीसी एवं एनएनएस के विद्यार्थियों की सहायता ले सकते हैं।

सीखने की प्रतिफल- विद्यार्थियों में गुप्त मतदान प्रणाली द्वारा मतदान प्रक्रिया की समझ बनेगी।

सितंबर 2024

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम- 'मेले एवं त्योहार' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थी राजस्थान के प्रमुख मेलों और त्योहारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

आवश्यक सामग्री- चार्ट, कलर, पेन, वेशभूषा, टेबल, कुर्सी, माइक और प्रस्तुति के लिए आवश्यक सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व राजस्थान के प्रमुख मेलों और त्योहारों के बारें में अध्ययन कर लें एवं आवश्यकतानुसार सूची भी बनाएँ ताकि गतिविधि के दौरान उनके बारे में बताया जा सकें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों से पूछा जाएगा कि उन्हें कौनसा मेला और त्योहार विशेष रूप से अच्छा लगता है और क्यों ?
- विद्यार्थी अपने अनुभव एवं रुचि के आधार पर कुछ मेलों और त्योहारों के बारे में बताएँगे। शिक्षक यहाँ ध्यान देंगे कि सभी विद्यार्थी अपनी सहभागिता निभाएँ।
- प्रत्येक समूह एक-एक राजस्थानी मेले तथा त्योहार के विषय में अपना प्रस्तुतीकरण देंगे। जिसके आधार पर शिक्षक विजेता समूह का चयन करेंगे।

नोट- प्रस्तुतीकरण के अन्तर्गत विद्यार्थी कहानी, नाट्य-अभिनय, गायन, चार्ट प्रदर्शन आदि किसी भी माध्यम के चयन हेतु स्वतन्त्र होंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी मेलों व त्योहारों के संदर्भ में अपने विचारों को अभिव्यक्त कर पाएँगे।

विशिष्ट गतिविधि - No to Tobacco

(तंबाकू से बचाव के लिए अभियान)

गतिविधि का नाम - 'तंबाकू रोधी अभियान' (पत्र लेखन) 60 मिनट

आवश्यक सामग्री - प्रोजेक्टर, लैपटॉप/कम्प्यूटर, स्पीकर, सादे कागज। (यदि हो तो अन्यथा आप फ्लेक्सी शीट, बैनर, चार्ट, पोस्टर्स इत्यादि सामग्री का उपयोग भी कर सकते हैं)।

शिक्षक निर्देश- शिक्षक तंबाकू के दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत करावें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष तंबाकू रोधी अभियान से संबंधित सामग्री (बीड़ी, सिगरेट, गुटका, तंबाकूयुक्त दंत मंजन इत्यादि के दुष्प्रभाव के पोस्टर इत्यादि) का प्रस्तुतीकरण करेंगे।
    - स्लाइड शो
    - लघु फिल्म
    - फ्लेक्स शीट
- शिक्षक विद्यार्थियों से जागरूकता सामग्री पर चर्चा करते हुए उन्हें अभिभावकों को एक पत्र लिखने को कहेंगे जिसमें वे अभिभावकों को तंबाकूयुक्त पदार्थों का सेवन न करने संबंधी अनुरोध करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में तंबाकूरोधी अभियान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'पता लगाओ, कौन छुपा है'? 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों में शब्दों को व्याकरण की दृष्टि से पहचान कर भाषा की समझ को बढ़ाना।
- विद्यार्थियों को वाक्य निर्माण में व्याकरण शब्दों की संरचना को समझाना।

आवश्यक सामग्री- कागज की पर्चियाँ, पुस्तकालय की पुस्तकें, टोकरी या बॉक्स।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के शब्दों का चयन करें।
- शिक्षक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया से संबंधित शब्दों की पूर्व में पर्चियाँ बनाकर रख लें।
- पर्चियों को डालने हेतु बॉक्स की व्यवस्था पूर्व में ही कर लें।

गतिविधि के चरण-

- विभिन्न प्रकार के शब्दों (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) की पर्चियाँ बनाएँगे।
- सभी पर्चियों को मिलाकर एक बॉक्स में डालेंगे।
- एक-एक करके विद्यार्थियों को पर्ची निकालने को कहेंगे।
- श्यामपट्ट पर संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया की तालिका बनाएँगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्राप्त पर्ची के आधार पर श्यामपट्ट पर उचित स्थान पर अंकित करने को कहेंगे, यदि विद्यार्थी शब्द के लिए गलत स्थान चुनता है तो कक्षा में चर्चा करके विद्यार्थी की समझ को बढ़ाएँगे।
- पर्ची में आए शब्द के आधार पर सभी विद्यार्थियों से एक-एक वाक्य का निर्माण भी करवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया की पहचान करने की क्षमता का विकास होगा।

अन्य गतिविधि - हिंदी दिवस

गतिविधि का नाम – 'निबंध प्रतियोगिता' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के महत्त्व और उपयोगिता से अवगत करवाना।
- विद्यार्थियों में लेखन कौशल और व्यापक समझ का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - पेन, पेपर, चार्ट, नोटबुक, कलर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक निबंध के विषय का चयन करें।
- शिक्षक सुनिश्चित करें की निबंध हिंदी भाषा में ही हो।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री के साथ कक्षा-कक्ष में बिठाया जाएगा।
- शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों को निर्धारित विषय पर कम से कम 300 शब्दों में निबंध लिखने हेतु निर्देशित किया जाएगा।
- विद्यार्थी निबंध लेखन को तय समय सीमा (30 मिनट) में पूर्ण करेंगे।
- निबंध लेखन के पश्चात शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों के निबंध को जाँच कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहन प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के महत्त्व और उपयोगिता का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में लेखन कौशल और व्यापक समझ विकसित होगा।

थीम - स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम - 'अच्छी आदतें' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में अच्छी आदतों का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - पेन, पेपर, मार्कर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- सभी विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से उनकी आदतों पर चर्चा करेंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी कम से कम अपनी एक आदत को पर्ची पर लिखकर बॉक्स में डालेगा।
- शिक्षक श्यामपट्ट को अच्छी व बुरी आदतों के भागों में विभाजित करेगा।
- शिक्षक द्वारा प्रत्येक पर्ची को निकाल कर उस पर अंकित आदत को पढ़कर विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए अच्छी या बुरी आदतों में वर्गीकृत किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को अच्छी आदत के निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी अच्छी आदतों के निर्माण हेतु सजग होंगे।

अन्य गतिविधि - निपुण भारत गतिविधि

गतिविधि का नाम- 'खेल बोर्ड' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों में वाक्य निर्माण, शब्द ज्ञान एवं अवलोकन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- कार्ड बोर्ड का टुकड़ा, वस्तुओं के चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों के लिए उन वस्तुओं का चयन करें जिनको विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में देखते हैं।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक एक बड़ा कार्ड बोर्ड का टुकड़ा लेकर उसके ऊपर 1 से 6 तक की संख्या अंकित करके 6 फलों, 6 सब्जियों और 6 अन्य सामग्री के चित्र चिपकाएँगे।
- विद्यार्थियों को बारी-बारी से एक डाइस कार्ड बोर्ड पर डालने को कहेंगे। डाइस जिस चित्र पर गिरेगा उसी वस्तु, फल अथवा सब्जी पर विद्यार्थी को 3 वाक्य बोलने को कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में वाक्य निर्माण, शब्द ज्ञान एवं अवलोकन कौशल का विकास होगा।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'नेचर वॉक' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को जैव विविधता से अवगत करवाना।

आवश्यक सामग्री – नोट बुक, पेंसिल, पेन, स्केच पेन, चार्ट पेपर, A4 पेपर शीट और फेविकोल।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यार्थियों के साथ पक्षियों, जानवरों एवं विभिन्न कीड़े-मकोड़ों की विशेषताओं के बारे में सामान्य जानकारी से जुड़े पक्षों पर संवाद करें और उन विशेषताओं को नेचर वॉक के दौरान अवलोकन कर अपनी नोट बुक में लिखने को कहेंगे।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों की संख्या को ध्यान में रखकर 5 समूहों में बाँट लेंगे, जिससे समूह में विद्यार्थियों के साथ आसानी से कार्य किया जा सके।
- समूह-1 को पक्षी, जानवरों एवं पौधों का अवलोकन, समूह-2 को पंख, पत्तियाँ, फूल आदि का संग्रहण करना, समूह-3 को कीड़े - मकोड़ों का अवलोकन करना, समूह-4 को जानवरों के पैरों के निशान का

अवलोकन और चित्र बनाने एवं समूह-5 को विभिन्न तरह के जीव जंतुओं के रहने के स्थान का अवलोकन एवं चित्र बनाने हेतु कार्य करवाएँगे।

- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर एवं उसके आस-पास के क्षेत्र का अवलोकन कर जानकारी जुटाने में सहायता करेंगे।
- प्रत्येक समूह द्वारा अवलोकन के दौरान किए गए अनुभवों को सभी समूह के विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे एवं जुटाए गए तथ्य, अवलोकन के बिंदु, चित्र आदि को चार्ट पेपर पर अंकित कर कक्षा-कक्ष की दीवार पर चस्पा कर देंगे जिससे विद्यार्थी बाद में भी इन विषयों पर संवाद कर समझ बना पाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी आस-पास के परिवेश में विभिन्न पक्षियों, जानवरों, कीड़े-मकोड़े एवं पेड़-पौधों में विविधता और विशेषता को अवलोकन के माध्यम से जान सकेंगे।

अन्य गतिविधि - किशोरी सशक्तिकरण

गतिविधि का नाम- 'लड़का-लड़की दोनों बराबर' (LLDB) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को जेंडर संवेदनशीलता के बारे में जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री- रंगीन कागज, पेन, चार्ट पेपर, मार्कर, रोल प्ले स्क्रिप्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक समुदाय में जेंडर असंवेदनशीलता के मुद्दों को विद्यार्थियों के समक्ष साझा करें।
- रोल प्ले के विषय - समुदाय, घर, सामाजिक कार्यक्रम, खेल व रोजगार के अवसर आदि स्थानों पर जेंडर असंवेदनशीलता के मुद्दे सम्मिलित करें ।

गतिविधि के चरण -

- **रोल प्ले**
  - विद्यार्थियों को छोटे - छोटे समूहों में बाँटेंगे ।
  - प्रत्येक समूह को एक छोटा रोल प्ले प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे, जिसमें जेंडर संवेदनशीलता के मुद्दे सम्मिलित हों।
  - उन्हें स्क्रिप्ट की तैयारी के लिए 10 मिनट का समय देंगे और फिर प्रत्येक समूह अपनी प्रस्तुति देंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में जेंडर संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

अक्टूबर 2024

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'हमारी वेशभूषा एवं बोलियाँ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य – विद्यार्थियों द्वारा राजस्थान की विभिन्न वेशभूषाओं व बोलियों के बारें में जानना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, विभिन्न वेशभूषा के चित्र,मार्कर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि शुरू करने से पूर्व वेशभूषाओं के चित्र चिपकाएँ।

राजस्थान की बोली बोलें, सबके मन में मिश्री घोले। मारवाड़ी की मिठास निराली, जैसलमेर-जोधपुर की वाणी प्यारी। मालवी की मृदुल धारा बहे, चित्तौड़ी वीरों की गाथा कहे। मेवाड़ी का रसीला रंग, उदयपुर में बसे उमंग। मेवाती की रसधार बहे, अलवर की कहानी कहे।	ढूँढ़ाड़ी की धुन निराली, जयपुर की शान मतवाली। हाड़ौती का हर्षिला सुर, कोटा- बूंदी की उजली धुन। शेखावाटी की तीखी चाल, सीकर-झुंझुनू माटी के लाल। बागड़ी की मधुरता निराली, बाँसवाड़ा में बिखरी लाली। राजस्थानी बोलियाँ है प्यारी, मन में मिश्री घोले सारी।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक हाव-भाव के साथ कविता का सस्वर
- वाचन करेंगे तथा विद्यार्थियों से कविता का अनुकरण वाचन भी करवाया जाएगा।
- कविता में आए क्षेत्र व उनसे संबंधित बोलियों को क्रॉस वर्ड के माध्यम से श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे।
- कविता में अंकित क्षेत्र विशेष के नाम के साथ उनकी स्थानीय बोलियों का मिलान करेंगे।
- चार्ट पर राजस्थान की विभिन्न वेशभूषा के चित्रों को चिपका कर विद्यार्थियों से संबंधित वेशभूषा के नाम को अंकित करवाएँगे।

मिलान करें-

स्थान	**भाषा/बोली**
अलवर	मेवाड़ी
जयपुर	मारवाड़ी
जोधपुर	मेवाती
बांसवाड़ा	हाड़ौती
उदयपुर	वागड़ी
कोटा	ढूंढाड़ी

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी राजस्थान की वेशभूषाओं व क्षेत्र विशेष की बोलियों से परिचित होंगे।

अन्य गतिविधि - एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम – 'असम के पीथ खिलौने' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सृजनात्मकता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को असम राज्य के पीथ खिलौने निर्माण कला की जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री - लकड़ी, कागज, स्केच रंग, गोंद, इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक पीथ खिलौने निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें व खिलौने निर्माण के विडियो और फोटोग्राफ विद्यार्थियों के समक्ष प्रदर्शित करें।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक असम राज्य के प्रसिद्ध खिलौने का फोटो मोबाइल में दिखाएँगे।
- विद्यार्थियों के साथ मिलकर लकड़ी, कागज, गोंद आदि की सहायता से खिलौने का निर्माण करेंगे।

- विद्यार्थियों को खिलौना बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में सृजनशीलता का विकास होगा।
- विद्यार्थी असम राज्य के पीथ खिलौने कीनिर्माण कला से परिचित होंगे।

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'पोषण का पिरामिड' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को पोषण के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री- बॉल, नोटबुक, पेन, बोतल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को पिरामिड बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दें और सामग्री उपलब्ध करवाने में सहयोग करें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित करेंगे।
- विद्यार्थियों को एक समान वस्तुएँ उपलब्ध कराएँगे।
- प्रत्येक समूह को 10 मिनट का समय देंगे और पिरामिड बनाने हेतु निर्देश देंगे।
- पिरामिड बनाने के पश्चात जिस समूह का पिरामिड सबसे ऊँचा और आगामी 30 सेकंड तक बिना सहारे के खड़ा रहेगा, वह समूह विजेता होगा।

चर्चा के बिंदु-

- पिरामिड के लंबे समय तक खड़े रहने का क्या कारण रहा ?
- जिस पिरामिड की नींव जितनी मजबूत होगी, वह उतनी ही मजबूती से खड़ा रहेगा। उसी प्रकार से हमारे शरीर को भी प्रारंभ (बाल्यावस्था) से ही पोषण की आवश्यकता होती है। यदि पर्याप्त पोषण नहीं मिलेगा तो हम अस्वस्थ ही रहेंगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी पोषण के महत्त्व को समझेंगे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होंगे।

अन्य गतिविधि - करियर – सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम- 'अपने आस-पास के रोजगार' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों को उनके परिवेश में उपलब्ध रोजगारों की जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री- रोजगार संबंधी चार्ट, फोटो, विडियो आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को भ्रमण हेतु एक निश्चित क्षेत्र व समय की रुपरेखा तैयार करें।

गतिविधि के चरण (प्रक्रिया)-

- शिक्षक विद्यार्थियों के समूह को आस - पास के समुदाय में भ्रमण कराएँगे।
- भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को निर्देशित करेंगे की समुदाय के लोग जीविका उपार्जन हेतु कौन - कौन से रोजगार कर रहे हैं।
- भ्रमण के दौरान अवलोकन किए गए रोजगारों को सूचीबद्ध करेंगे।
- सूचीबद्ध रोजगारों पर अपने समूह में चर्चा करें एवं शिक्षक से इन रोजगारों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी को उनके परिवेश में उपलब्ध रोजगार की जानकारी प्राप्त होगी।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'पेपर ड्रॉप साइलेंस' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को ध्वनि से संबंधित संप्रत्यय की अवधारणा से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री - कागज या प्लास्टिक का कप, सेफ्टी पिन, कागज के टुकड़े आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश –

- विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर उन्हें शांत रहने के लिए कहें।
- शिक्षक गतिविधि की समझ बनाने हेतु निम्नलिखित लिंक की सहायता लें।
  https://youtu.be/55okBwApPdw?si=Ev-Z4zKfWNdG5sT0

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को शांत रहने के लिए कहेगा जिससे पिन गिरने की ध्वनि सुनाई दे सकें।
- पिन ड्रॉप साइलेंस अर्थात यदि आलपिन भी गिराई जाए तो उसकी ध्वनि भी सुनाई दें, शिक्षक विद्यार्थियों को पूछेंगे कि किसी कागज के छोटे टुकड़े को गिराया जाए तो क्या उसकी ध्वनि सुनाई देगी ? सामान्यतया सभी विद्यार्थियों का उत्तर 'नहीं' होगा।

- अब शिक्षकों के सम्मुख विद्यार्थियों को पंक्ति में बिठाकर उनमें से एक-एक विद्यार्थी को शिक्षक के समीप आने को कहा जाएगा तथा उनके कान के समीप एक कागज या प्लास्टिक का कप या गिलास रखा जाएगा तथा उसमें एक छोटा कागज का टुकड़ा गिराया जाएगा।
- यदि विद्यार्थी ध्वनि सुन लें तो कागज के टुकड़े को और अधिक छोटा किया जाएगा और यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक वह उस कागज के गिरने की ध्वनि सुनाई देना बंद नहीं हो जाएगी।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी ध्वनि से संबंधित अवधारणा को समझ सकेंगें।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

नवंबर 2024

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'बात-बात में मुहावरे व लोकोक्तियाँ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- मुहावरे व लोकोक्तियों में अंतर समझाना।

आवश्यक सामग्री- मुहावरे व लोकोक्तियों की पर्चियाँ, बॉक्स आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक नीचे दी गई घटना विद्यार्थियों को सुनाएँ और इसमें आए मुहावरों पर बातचीत भी करें।
- घटना में प्रयुक्त मुहावरे व लोकोक्तियों की पर्चियाँ बना लें।
- पुस्तकालय की पुस्तकों से भी मुहावरे व लोकोक्तियाँ छाँटे।

गतिविधि के चरण-

- **प्रारम्भ में शिक्षक दी गई घटना सुनाएँगे -**

मोहन ने अपने माता-पिता से मोबाइल की माँग की। लेकिन उसके माता -पिता ने मोबाइल देने की माँग पूरी नहीं की और उसको आँखे दिखाई। इससे मोहन बहुत दुखी हुआ और उसके सपनों पर पानी फिर गया। मोहन ने निर्णय लिया कि मुझे घर से कहीं दूर चले जाना चाहिए। एक दिन मोहन घर से नौ दो ग्यारह हो गया। उसके मित्रों से जब पूछा गया तो उन्होंने मुँह नहीं खोला। सारे मित्र बातें बनाने लग गए। आस-पास के पड़ोसी नमक-मिर्च लगा कर बातें करने लगे और जितने मुँह, उतनी बातें होनी लग गई। मोहन सभी की आँखों का तारा था। मोहन का परिवार तितर-बितर हो गया। मोहन के पिता ने उसकी परवरिश में जी-जान लगा दी। मोहन का कुछ पता नहीं चला और उनकी स्थिति आसमान से जमीन पर गिरने जैसी हो गई। मोहन अपने घर की विषम परिस्थिति को समझ नहीं सका। मोहन ने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार दी। अब मोहन पड़ोस में किसी को शक्ल दिखाने लायक नहीं रहा। मोहन के माता-पिता ने इस दुःख को आँसू पीकर बर्दाश्त कर लिया। अब सब को मोहन एक आँख नहीं भाता। मोहन के माता-पिता की कमर टूट गई। सारे लोग मोहन के माता-पिता पर कीचड़ उछालने लग गए।

- सुनाई गई घटना में आए मुहावरे व लोकोक्तियों के बारे में बातचीत करेंगे।
- पर्चियों में लिखे मुहावरों व लोकोक्तियों को छाँटेंगे।
- मुहावरों व लोकोक्तियों से भाषा के सौंदर्य के बारे में बातचीत करेंगे।

➢ मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर -

मुहावरे	लोकोक्तियाँ
मुहावरा वाक्यांश है, इसका स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता है, जैसे - पेट काटना। इस वाक्य में कोई विलक्षण अर्थ उत्पन्न नहीं होता, जब यह वाक्य में प्रयोग होगा। जैसे- 'मैंने पेट काट -काट कर अपने लड़के/लड़की को पढ़ाया'।	लोकोक्ति एक सम्पूर्ण वाक्य है, लोकोक्तियाँ अपने आप में पूर्ण होती हैं, जैसे-अधजल गगरी, छलकत जाए। इसका अर्थ है- कम जानकार द्वारा अपने गुणों का बखान करना। अंधों में काना राजा (मूर्खों में कम पढ़ा लिखा व्यक्ति) – केवल राजू को ही गाँव में थोड़ी बहुत अंगेजी आती थी जिससे वो प्रभाव जमाने की कोशिश करता था। ऐसे लोगों के लिए कहा गया है- अंधों में काना राजा।
मुहावरा अपने रूढ़ अर्थ के लिए प्रसिद्ध होता हैं। मुहावरे लिंग, वचन और क्रिया के अनुसार होते है।	लोकोक्तियाँ लोक अनुभव से बनती हैं। लोकोक्ति लोक में प्रचलित उक्ति होती है, जो भूतकाल का लोक अनुभव होती हैं।
मुहावरे का प्रयोग वाक्य के अंत, आरंभ और बीच में कहीं भी किया जा सकता है।	लोकोक्तियों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है।

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थियों में मुहावरे व लोकोक्तियों के द्वारा भाषा सौंदर्य की समझ विकसित होगी।

विशिष्ट गतिविधि - जीवन है अनमोल

(सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल) सड़क सुरक्षा गतिविधि - 2

गतिविधि का नाम- 'सुरक्षित सफर' ⏰ 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री- प्रोजेक्टर, लैपटॉप / कम्प्यूटर / स्पीकर / स्लाइड शो / शोर्ट मूवीज (यदि हो तो, अन्यथा आप फ्लेक्सी शीट / पोस्टर / बैनर / हस्तनिर्मित सामग्री का भी उपयोग कर सकते हैं।)

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता सामग्री का प्रस्तुतीकरण करें।

- यदि आपके पास ICT लैब हो तो विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा विषय पर पीपीटी / अन्य वीडियो आदि भी दिखाएँ।
- विद्यालय में स्थानीय यातायात पुलिस, सामाजिक कार्यकर्ता या स्वयंसेवक को आमंत्रित कर विद्यार्थियों के साथ वार्ता भी करवाई जा सकती है।

गतिविधि के चरण - शिक्षक विद्यार्थियों से उक्त वीडियो अथवा जागरूकता सामग्री पर चर्चा करते हुए उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होंगे।

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम – 'आओ खिलाड़ियों के बारे में जानें' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को खेलों में करियर के प्रति जागरूक कराना।

आवश्यक सामग्री- खिलाड़ियों के चित्र, लेख, जीवनी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- गतिविधि से पूर्व विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों की जानकारी एकत्र करें और विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत कर उन्हें सामान्य जानकारी दें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को एक गोल घेरे में बिठा देंगे।
- अब उनसे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेलों से जुड़े खिलाड़ियों पर चर्चा करेंगे। जैसे- जेवेलिन थ्रो, शतरंज, तैराकी, डिस्कस थ्रो, निशानेबाजी, क्रिकेट, नौकायान, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, घुड़सवार, वॉलीबॉल आदि खेलों से जुड़े खिलाड़ियों की उपलब्धियों के बारे में जानेंगे।
- विद्यार्थी जानेंगे कि कौनसे खिलाड़ी (राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय) ने किस खेल में क्या-क्या उपलब्धियाँ, पुरस्कार, सम्मान प्राप्त किए हैं और उन्हें इस लक्ष्य तक पहुँचने में किन-किन संघर्षों का सामना करना पड़ा है।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी खेलों से जुड़े उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी खेल को अपने करियर के रूप में चुनने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

अन्य गतिविधि - आर्ट एंड क्राफ्ट

गतिविधि का नाम- 'गमले बनाएँ, पौधे लगाएँ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, हस्त कौशल एवं पर्यावरण जागरूकता की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री- पुरानी प्लास्टिक की बोतलें (1 या 2 लीटर), कैंची या कटर, एक्रेलिक पेंट्स या स्प्रे पेंट्स, पेंट ब्रश, गोंद, सजावट के लिए ग्लिटर, स्टिकर्स, मोती, मार्कर पेन, मिट्टी और पौधे आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक एक सप्ताह पूर्व विद्यार्थियों को घर से पुरानी बोतलें, डिब्बे, मिट्टी, पौधे व सजावट हेतु सामान लाने के निर्देश दें।

गतिविधि के चरण-

- पुरानी प्लास्टिक की बोतल को अच्छी तरह से धोकर सुखा लेंगे।
- कार्य क्षेत्र को अखबार या प्लास्टिक शीट से कवर करेंगे।
- कैंची या कटर की सहायता से बोतल के ऊपरी हिस्से को सावधानीपूर्वक काटेंगे। आप गमले की ऊँचाई अपनी जरूरत के हिसाब से तय कर सकते हैं।
- गमले के नीचे कुछ छोटे-छोटे छेद बनाएँ ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके।
- एक्रेलिक पेंट्स या स्प्रे पेंट्स का उपयोग करके बोतल को पेंट करेंगे। आप इसे एक ही रंग में या विभिन्न रंगों का उपयोग करके डिजाइन बना सकते हैं।
- पेंट सूखने के बाद आप बोतल को ग्लिटर, स्टिकर्स, मोती आदि से सजा सकते हैं।
- यदि चाहें तो मार्कर पेन की सहायता से बोतल पर नाम या अन्य डिजाइन लिख सकते हैं।
- गमले में मिट्टी भरें और उसमें पौधा लगाएँगे। सुनिश्चित करेंगे कि पौधे को पर्याप्त पानी और धूप मिलती रहे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी अनुपयोगी वस्तुओं से नयी वस्तु निर्माण कर रचनात्मकता, हस्त कौशल एवं पर्यावरण जागरूकता की समझ बना पाएँगे।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'अदृश्य स्याही द्वारा गुप्त संदेश भेजना' 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को विज्ञान की अभिक्रियाओं से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री - नींबू का रस, पेंट ब्रश, सफेद कागज, ताप स्रोत (मोमबत्ती, हीटर) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश – विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर उनकी सहायता करें।

गतिविधि के चरण -

- नींबू के रस को एक कटोरी में लेकर उसमें पेंट ब्रश डुबोएँगे।
- पेंट ब्रश से सफेद कागज पर कोई भी एक संदेश लिखेंगे।
- सूखने के बाद कागज को किसी गर्म स्रोत के पास ले जाएँगे।
- नींबू के रस (अदृश्य स्याही) द्वारा लिखा संदेश दृश्यमान हो जाएगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी ऑक्सीकरण की प्रक्रिया को समझेंगे।
- विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

अन्य गतिविधि - संविधान दिवस

गतिविधि का नाम – 'संविधान की उद्देशिका एवं कर्त्तव्य' 60 मिनट

आवश्यक सामग्री - मौखिक प्रश्नोत्तरी (क्विज)

गतिविधि का उद्देश्य - संवैधानिक उद्देश्यों और कर्तव्यों को समझकर नैतिक मूल्यों को समझना।

आवश्यक सामग्री - पाठ्यपुस्तक आधारित पूर्व निर्मित क्विज।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक संवैधानिक उद्देश्यों और कर्तव्यों की अलग -अलग पर्ची बना कर बॉक्स में डाल दें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को संविधान दिवस के बारे में संक्षिप्त में जानकारी देंगे।
- विद्यार्थियों को आमने-सामने समूह में बिठाकर संविधान की उद्देशिका एवं कर्त्तव्य आधारित क्विज प्रतियोगिता करवाएँगे।
- क्विज के लिए निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न हो सकते है -
    - संविधान को बनाने में कितना समय लगा ?
    - हमारा संविधान कब लागू हुआ ?
    - उद्देशिका में कितने प्रकार के न्याय बताएँ है ?
    - हमारे संविधान में कुल कितने मौलिक कर्तव्य है ?

- मौलिक कर्तव्यों को संविधान में कब जोड़ा गया ?

सीखने के प्रतिफल -

- ➢ विद्यार्थियों में संविधान की उद्देशिका व कर्त्तव्यों के प्रति समझ विकसित होगी।

थीम -बाल सभा मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम - 'स्थानीय समस्याएँ व समाधान' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं से परिचित करवाकर, समस्याओं के समाधान हेतु विकल्प खोजकर, समस्या समाधान में स्वयं की भूमिका को पहचानना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट पेपर, बोर्ड, मार्कर व अन्य आवश्यक सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक स्थानीय पंचायत/नगर पालिका कार्यालय से समन्वय कर विद्यार्थियों के भ्रमण हेतु उचित प्रबंधन करें।

गतिविधि के चरण -

- ➢ विद्यार्थी अपने गाँव/नगर की समस्याओं की खोज करेंगे जिससे गाँव /नगर के अधिकांश लोग उन समस्याओं से परेशान हैं एवं उनकी सूची बनाएँगे।
- ➢ विद्यार्थी खोजी गई समस्या को 2 भागों में वर्गीकृत करेंगे- 1.स्वयं व समुदाय के प्रयासों द्वारा समाधान। 2. सरकार / प्रशासन द्वारा समाधान।
- ➢ वर्गीकृत समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उसके कारणों एवं प्रभावों को जानते हुए उचित समाधान ढूँढ़ेंगे।
- ➢ समाधान ढूँढ़ने के बाद विद्यार्थी आपस में एवं शिक्षक से उस समाधान पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।
- ➢ विद्यार्थी शिक्षक से सरपंच/नगरपालिका को पत्र लिखने का तरीका जानेंगे एवं पंचायत /नगरपालिका का भ्रमण करके पत्र को साझा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- ➢ विद्यार्थी स्थानीय समस्याओं की पहचान कर पाएँगे।
- ➢ विद्यार्थी इन समस्याओं के समाधान हेतु विकल्प खोजकर, समस्या समाधान में स्वयं की भूमिका को देख सकेंगे।

दिसंबर 2024

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'मरुधरा रे वीर' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को राजस्थान के वीर- वीरांगनाओं की गाथाओं एवं साहसिक जीवन मूल्यों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री - प्रत्येक समूह के लिए वीर- वीरांगनाओं पर आधारित प्रश्न पत्र।

शिक्षक हेतु निर्देश – शिक्षक कक्षा 6, 7 और 8 से एक-एक विद्यार्थी का चयन कर चार टीमों का गठन करें।

गतिविधि आयोजन हेतु आधार प्रश्न -

- खेजड़ी वृक्षों की रक्षा के लिए किसके नेतृत्व में लोगों ने अपना बलिदान दिया ?
- काली बाई का संबंध किस जिले से है ?
- पन्नाधाय के पुत्र का क्या नाम था ?
- 'चेतावनी रा चूंगटिया' किसकी है ?
- महाराणा प्रताप का जन्म कहाँ हुआ था ?
- युद्ध में जाते समय किस रानी ने अपने पति को अपना शीश काटकर प्रतीक के रुप में दिया था ?

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक द्वारा एक विद्यार्थी को प्रश्न पूछने हेतु मंच पर बुलाया जाएगा।

नोट- प्रत्येक टीम में तीनों कक्षाओं से एक-एक विद्यार्थी को सम्मिलित किया जाए साथ ही शिक्षक गतिविधि के समय उदाहरण के रूप में दिए गए प्रश्नों के अनुसार स्वयं निर्मित प्रश्नों को भी स्थान दे सकते हैं।

(प्रथम राउंड- बजर राउन्ड)

- सभी समूहों को एक-एक टेबल के आगे खड़ा किया जाएगा।
- मंच पर उपस्थित विद्यार्थी प्रश्न पूछेगा तथा जो समूह पहले टेबल को बजाएगा, प्रश्न का उत्तर उसी समूह द्वारा दिया जाएगा।
- यदि सभी समूह जवाब ना दे पाएँ तो शेष विद्यार्थियों को भी प्रश्नों का उत्तर देने का अवसर दिया जाएगा।

(दूसरा राउंड - निर्धारित समय सीमा)

- इस राउंड में सभी समूहों के आगे महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, अमृता देवी, केसरी सिंह बारहठ की एक-एक पर्ची डालेंगे और प्रत्येक समूह को पर्ची चुनने को कहेंगे।
- प्रत्येक समूह द्वारा एक पर्ची उठाई जाएगी तथा चर्चा के लिए 2 मिनट का समय दिया जाएगा।
- इसके उपरांत पर्ची में आए वीर- वीरांगनाओं के संबंध में उस टीम द्वारा कोई एक विशेषता बताई जाएगी।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी वीर- वीरांगनाओं के जीवन दर्शन से परिचित होंगे तथा उनमें राष्ट्र प्रेम की भावना विकसित होगी।

विशिष्ट गतिविधि – SAY No to Tobacco

(तंबाकू से बचाव की मुहिम)

गतिविधि का नाम – 'रोल प्ले और चर्चा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों एवं तंबाकू रोधी मुहिम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

आवश्यक सामग्री – रोल प्ले के लिए डॉक्टर, तंबाकू सेवन करने वाला एक व्यक्ति, परिजन, नर्स इत्यादि की भूमिका में विद्यार्थी, तम्बाकू के दुष्प्रभावों को समझाने के लिए पोस्टर, चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश – शिक्षक तंबाकू के दुष्प्रभावों से संबंधित रोल प्ले हेतु स्क्रिप्ट तैयार करें और विद्यार्थियों को रोल प्ले के लिए निर्देशित करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित मुख्य अतिथि के समक्ष विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले करवाएँगे।
- विशेषज्ञ तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों पर विद्यार्थियों से प्रभावी संवाद करेंगे।
- शिक्षक विशेषज्ञ के रूप में निम्नलिखित को आमंत्रित कर सकते हैं -
    - विद्यालय के समीप स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सेवारत चिकित्साकर्मी।
    - आशा सहयोगिनी।
    - सामाजिक कार्यकर्ता।
    - ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
- शिक्षक रोल प्ले एवं विशेषज्ञ की वार्ता के निष्कर्षों को संक्षेप में विद्यार्थियों के समक्ष दोहराएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
- विद्यार्थियों में तंबाकू रोधी मुहिम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

थीम - भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'मेरी भी सुनो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल एवं विश्लेषण की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- वाद-विवाद हेतु आवश्यक सेट-अप।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- पुस्तकालय की पुस्तकों से वाद -विवाद के बिंदुओं का चयन करें और सूची बनाएँ।
- गतिविधि के मध्य विद्यार्थियों का समय-समय पर समर्थन और प्रोत्साहन करते रहें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को वाद विवाद के लिए दो समूहों में विभाजित किया जाएगा।

- शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष प्रश्न रखेगा जैसे कि - क्या होमवर्क की आवश्यकता है या नही ? विद्यार्थी अपने - अपने तर्क देंगे।

तैयारी और विचार विमर्श- प्रत्येक टीम को अपने पक्ष में समर्थन करने के लिए तैयारी करने का समय दिया जाएगा।

- विद्यार्थियों को अपने विचारों को और तर्कों को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- समूहों को एक दूसरे के सामने उनके पक्षों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।
- विद्यार्थी अपने तर्कों को प्रस्तुत करेंगे और अपने संदर्भ को समर्थन करने का प्रयास करेंगे।
- वाद विवाद के बाद विद्यार्थियों को उनके विचारों और तर्कों की समीक्षा करने का अवसर देंगे।
- शिक्षक के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न पक्षों के साथ जुड़ाव और समर्थन की आवश्यकता के बारे में सोचने का अवसर देंगे।

नोट - शिक्षक इसके अलावा भी अपने स्व-विवेक से वाद -विवाद के विषय का चयन कर सकता है।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में तर्क शक्ति का विकास होगा और भावविश्लेषण की क्षमता बढ़ेंगी।

अन्य गतिविधि - साइबर सुरक्षा

गतिविधि का नाम- 'साइबर सुरक्षा की कहानी' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री- मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर आदि डिजिटल उपकरण जो विद्यालय में उपलब्ध हो।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को नाटक के पात्रों के अनुसार चयनित कर नाटक की तैयारी करें।

गतिविधि के चरण -

अध्याय 1- साइबर संकेत

- नाटक शुरू होता है जब रोहन और नितिन को एक ई-मेल आता है, जिसमें एक लिंक होता है। जब वे उसे खोलते हैं तो इससे उनकी व्यक्तिगत जानकारी हैक हो जाती है।
- रोहन और नितिन को यह समझ नहीं आता कि क्या हुआ लेकिन उन्हें स्वयं को बचाने के लिए दूसरों से संपर्क करना पड़ता है।

अध्याय 2- सुरक्षित सलाह

- सीमा, रोहन और नितिन को इंटरनेट उपयोग के दौरान सुरक्षित रहने के लिए सलाह देती है और उन्हें इंटरनेट पर सुरक्षित रहने के तरीके बताती है।

- वे अपनी समस्या को शिक्षक को बताते हैं जो उन्हें साइबर सुरक्षा के महत्त्व को समझाते हैं।

अध्याय 3 विस्तारित संज्ञान

- रोहन, नितिन और सीमा को यह समझने में सहायता मिलती है कि एक सुरक्षित पासवर्ड चुनना, अवांछित संदेशों पर प्रतिक्रिया करने से सतर्क रहना और अज्ञात ई-मेल या लिंक्स को न खोलना कितना महत्त्वपूर्ण है।
- वे अपने मित्रों को भी इस बारे में समझाते हैं और उन्हें साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

अंतिम अध्याय -

- नाटक का समापन होता है - जब रोहन, नितिन और सीमा ने साइबर सुरक्षा के महत्त्व को समझ लिया और उन्होंने अपने विद्यालय में इस विषय पर एक छोटा संवाद भी किया।
- वे उस हैकर को पकड़ते हैं जो उन्हें परेशानी में डालने की कोशिश कर रहा था।

सीखने के प्रतिफल -

- नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के महत्त्व की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में ऑनलाइन गतिविधियों की विश्वसनीयता, सही संदेशों को चुनने और असुरक्षित साइबर व्यवहार से सतर्क रहने की समझ विकसित होगी।

जनवरी 2025

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'हमारी सुनो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास कर उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न प्रकार के खिलौने, नकली रुपये, फल, सब्जियाँ, किताबें, कागज, पेन, पेंसिल, अन्य उपलब्ध सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश- रोल प्ले में अगर कोई गति अवरोधक आता है तो वहाँ शिक्षक सहायक की भूमिका का निर्वहन करें और रोल प्ले को आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान करें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को विभिन्न भूमिकाओं में बाँटेंगे।
- दुकानदार, सहायक दुकानदार, ग्राहक (विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार ग्राहक अधिक हो सकते हैं) ग्रामीण परिवार के सदस्य आदि।
- दुकान का सेटअप तैयार करेंगे।
- दुकानदार व ग्राहकों के मध्य संवाद प्रारंभ करेंगे।
- दुकानदार विभिन्न वस्तुओं के संदर्भ में जानकारी देगा, जैसे कीमत, गुणवत्ता आदि।
- रोल प्ले में विभिन्न परिदृश्य को सम्मिलित करेंगे।
- शिक्षक दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं के प्रश्न बनवाएँ जैसे-
    - परिवार के किसी सदस्य द्वारा खरीदी गई वस्तु को नापसंद करना।
    - ग्राहक द्वारा किसी वस्तु पर दुकानदार से शिकायत करना।
    - ग्राहक का सामान वापस करना।
    - ग्राहक व दुकानदार के मध्य विवाद व समझौते।
    - विद्यार्थियों को जीवन के वास्तविक अनुभवों को व्यक्त करने हेतु प्रेरित करेंगे।
    - गतिविधि के उपरांत विद्यार्थियों से उनके विचार जानेंगे।

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थियों का आत्मविश्वास सुदृढ़ होगा और अभिव्यक्ति कौशल विकसित होगा।

अन्य गतिविधि – करियर - एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम - 'करियर क्रॉसवर्ड' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करना।
- टीम वर्क और समस्या समाधान कौशल को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों के बीच स्वच्छ प्रतिस्पर्धा का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - क्रॉसवर्ड पजल का प्रिंटआउट (प्रत्येक विद्यार्थी के लिए एक), कागज, पेंसिल, पेन, प्रोजेक्टर और स्क्रीन (वैकल्पिक), घड़ी (समय प्रबंधन के लिए), छोटे पुरस्कार (वैकल्पिक)।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्यों और प्रक्रिया के बारे में बताएँ।
- प्रत्येक विद्यार्थी को एक क्रॉसवर्ड पजल का प्रिंटआउट दें ।
- विद्यार्थियों को पजल को हल करने के लिए 20 मिनट का समय दें ।
- पजल हल करने के बाद, शिक्षक पजल के समाधान पर चर्चा करें और सही उत्तर बताएँ।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित किया जाएगा ताकि वे मिलकर पजल को हल कर सकें।
- **परिचय और उद्देश्य** -
    - शिक्षक विद्यार्थियों को बताएँगे कि हम एक करियर क्रॉसवर्ड पजल खेलेंगे जिससे हमें विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानने का मौका मिलेगा।
- **पजल हल करना**-
    - विद्यार्थी अपने समूह के साथ मिलकर क्रॉसवर्ड पजल को हल करेंगे।
    - शिक्षक इस दौरान कक्षा में विद्यार्थियों का अवलोकन करेंगे और उन्हें मार्गदर्शन देंगे।
- **समाधान और चर्चा** -
    - शिक्षक पजल के समाधान पर चर्चा करेंगे और सही उत्तर बताएँगे।
    - शिक्षक द्वारा विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।
- **पुरस्कार वितरण**-
    - सबसे पहले सही पजल हल करने वाले समूह को पुरस्कार दिए जाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - इस गतिविधि के माध्यम से कक्षा 6-8 के विद्यार्थी करियर विकल्पों के बारे में मजेदार और परस्पर संवादात्मक तरीके से सीखेंगे, जिससे उन्हें करियर मार्गदर्शन में सहायता मिलेगी।

C	R				E	T		R					F
						A		T			T		R
		P			I		E			N			
													E
			A		S	E		G		N		E	
	D			T		R							
			T										
			R										

C	R	I	C	K	E	T	E	R					F
						E							A
						A	R	T	I	S	T		R
		P	O	L	I	C	E	M	A	N			M
					A	H							E
			A		S	E	N	G	I	N	E	E	R
	D	O	C	T	O	R							
			T										
			O										
			R										

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम- 'आओ योग करें' 60 मिनट

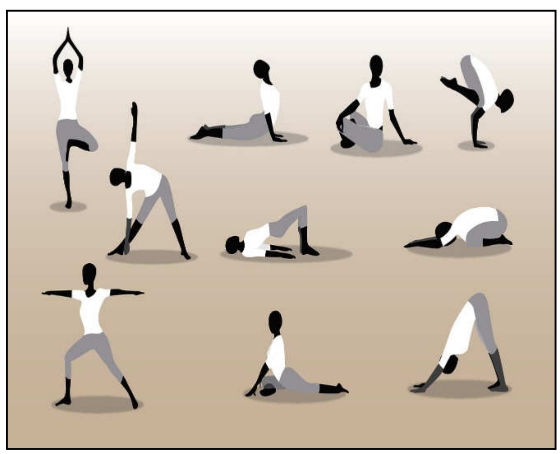

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग के महत्त्व से परिचित करवाना।

आवश्यक सामग्री- दरी, सीटी, माइक आदि सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश- योग करने हेतु उचित बैठक व्यवस्था करें।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों को योग करवाएँगे।
- विद्यार्थियों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, सूर्य नमस्कार एवं व्यायाम आदि करवाएँ जाएँगे और इनका महत्त्व बताया जाएगा।

- इस दौरान विद्यालय में साउंड सिस्टम हो तो व्यायाम के साथ प्रेरक गीत / संगीत चला सकते हैं।
- विभिन्न गीतों के लय-ताल के साथ भी हम शारीरिक व्यायाम कर सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग के महत्त्व एवं उद्देश्य को समझ पाएँगे।

अन्य गतिविधि - किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम

गतिविधि का नाम- 'बालिका शिक्षा को बढ़ावा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को बालिका शिक्षा के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं के चित्र, पोस्टर, कागज, पेन, पेंसिल एवं पर्चियाँ।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- पर्चियाँ एवं पोस्टर बनवाकर तैयार रखें।
- विद्यार्थियों को पूर्व में ही गतिविधि की जानकारी दें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को अलग अलग समूह में वर्गीकृत करेंगे।
- एक बॉक्स में कुछ पर्चियाँ रखेंगे जिसमें अपने - अपने क्षेत्र की उत्कृष्ट / सफल महिला विभूतियों के नाम लिखे होंगे।
- प्रत्येक समूह को एक- एक पर्ची दी जाएगी।
- पर्ची में आए नाम पर समूह द्वारा निर्धारित समयावधि में निबंध तैयार किया जाएगा।
- समूह द्वारा निबन्ध का प्प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।
- विद्यार्थी इस गतिविधि से उत्कृष्ट / सफल महिला विभूतियों की सफलता में शिक्षा के योगदान को समझ पाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी बालिका शिक्षा के प्रति जागरूक होंगे।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम – 'त्योहारों में छुपा विज्ञान' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - मकर सक्रांति मनाने के वैज्ञानिक महत्त्व को जानना।

आवश्यक सामग्री- ग्लोब, गेंद, टॉर्च, चार्ट, मार्कर, प्रोजेक्टर, विडियो एवं अन्य उपलब्ध सामग्री।

शिक्षक निर्देश-

- शिक्षक साथी आवश्यक विडियो व मॉडल पहले से तैयार रखें।
- शिक्षक इस गतिविधि में मकर सक्रांति के अलावा वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले अन्य त्योहारों को भी सम्मिलित करें।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम विद्यार्थियों के समूह के समक्ष संबंधित विडियो या मॉडल प्रदर्शित करेंगे।
- विडियो या मॉडल की सहायता से सूर्य की स्थिति में बदलाव को स्पष्ट करेंगे।
- मकर सक्रांति के दिन से सूर्य की स्थिति में बदलाव के कारण मौसम परिवर्तन व बसंत ऋतु के आगमन का वैज्ञानिक तथ्य स्पष्ट करेंगे।

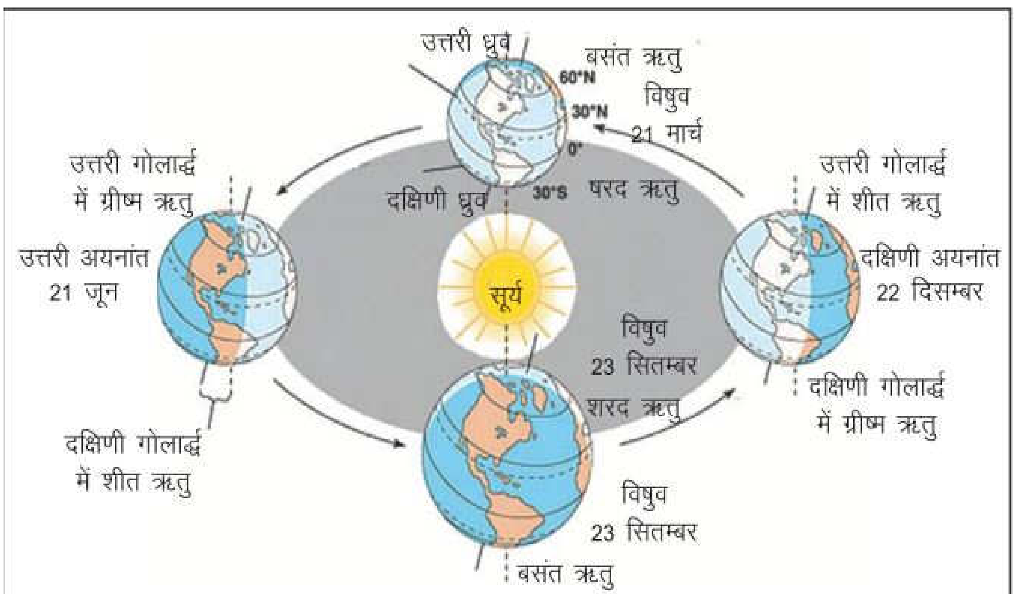

चर्चा के बिंदु -

- सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा पर्यावरण में परिवर्तनों की एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया को प्रारंभ करती है।
- **दिन का लंबा होना**- जैसे-जैसे सूर्य क्षितिज के ऊपर अधिक समय व्यतीत करता है, दिन के उजाले के घंटे धीरे-धीरे बढ़ते जाते हैं, जिससे गर्मी और छाया लंबी होती है।

- **बढ़ता तापमान**- सूर्य की बढ़ती रोशनी पृथ्वी को गर्म करती है, सर्दियों की ठंड को कम करती है और जीवंत जीवन की वापसी का संकेत देती है।
- **भरपूर फसल**- दिन बड़े होने के कारण फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनती हैं, जिसके कारण मकर संक्रांति के दौरान भरपूर फसल होती है।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी त्योहार मनाने के पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जानेंगे।

अन्य गतिविधि - नैतिक मूल्य

गतिविधि का नाम – 'सच बोलने की शक्ति' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को ईमानदारी का महत्त्व समझाना और उन्हें यह सिखाना कि सच बोलना से उनके जीवन में कैसे सकारात्मक प्रभाव डालता है ?

आवश्यक सामग्री – पेपर, पेंसिल, कलर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को एक कहानी सुनाएँ जिसमें एक विद्यार्थी ईमानदारी से सच बोलता है और इसके परिणामस्वरूप उसे कुछ अच्छी जानकारी मिले।

गतिविधि के चरण -

- पहले शिक्षक कहानी सुनाएगा जो इस प्रकार हो सकती है-

  एक बार एक लड़का था जिसका नाम राहुल था। एक दिन उसने गलती से अपने मित्र की पेंसिल तोड़ दी। राहुल ने सोचा कि वह यह बात छुपा सकता है, लेकिन उसने अपने माता-पिता की शिक्षा को याद किया कि हमें हमेशा सच बोलना चाहिए। राहुल ने अपने मित्र को सच बताया और माफी माँगी। उसका मित्र न केवल उसे माफ करता है बल्कि उसे धन्यवाद भी देता है कि उसने सच बोला और उनकी दोस्ती और मजबूत हो जाती है।

- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद विद्यार्थियों से सवाल पूछेंगे -
  - राहुल ने क्या किया ?
  - अगर तुम राहुल की जगह होते तो क्या करते ?
  - सच बोलने के क्या फायदे होते हैं ?
- विद्यार्थियों के दो समूह बनाएँ और उन्हें अपने अनुभव साझा करने के लिए कहेंगे, जब उन्होंने सच बोला था और उसका क्या परिणाम हुआ ?
- विद्यार्थियों से चित्र बनाने के लिए कहेंगे जिसमें उन्होंने किसी स्थिति में ईमानदारी दिखाई हो।
- विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रस्तुति और उस पर चर्चा करेंगे।

- विद्यार्थियों को अपने चित्र और अनुभव कक्षा के सामने प्रस्तुत करने के लिए कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

फरवरी 2025

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'मेरा राज्य एवं उसकी खूबियाँ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान की संस्कृति से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से राजस्थान के जिलों की प्रमुख विशेषताओं से परिचित करवाना।

आवश्यक सामग्री – साउंड सिस्टम, कविता - धरती धोरां री ....।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व धरती 'धोरां री' कविता को सुर, ताल और लय के अनुसार वाचन / गायन करने का अभ्यास करें ताकि गतिविधि के दौरान अच्छे से कविता का वाचन / गायन कर सकें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व धरती धोरां री कविता को सुर, ताल और लय के अनुसार वाचन / गायन करेंगे तथा गतिविधि के दौरान कविता के भावार्थ से विद्यार्थियों को परिचित करवाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से अपने जिले की विशेषताओं पर चर्चा करेंगे।
- कविता के भावार्थ की सहायता से कविता में उल्लेखित जिलों के संबंध में वार्ता करेंगे।
- कविता में दी गई जिलों की विशेषताओं के बारे में भी विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी राजस्थान तथा उनके जिलों की प्रमुख विशेषताओं को जानेंगे।
- विद्यार्थी राजस्थान की संस्कृति से परिचित होंगे एवं साथ ही उनमें अपनी मातृभूमि के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।

अन्य गतिविधि - बसंत पंचमी (उत्सव)

गतिविधि का नाम - 'रंग बिरंगा विद्यालय' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को निखारना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न प्रकार के कलर, पोस्टर , रंगीन कलर, चूना पाउडर, चॉक आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश

- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएँ।
- विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता के आयोजन की पूर्व सूचना दें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को कक्षा के अनुसार अलग अलग समूहो में बाँटा जाएगा।
- शिक्षक द्वारा प्रत्येक समूह को विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाने हेतु निर्देशित किया जाएगा।
- रंगोली का निर्माण प्रत्येक कक्षा-कक्ष के बाहर बरामदे में किया जाएगा।
- विद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा सभी समूहों का अवलोकन किया जाएगा।
- अवलोकन के बाद सर्वश्रेष्ठ समूह के रूप में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आए समूह का निर्धारण किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थियों में छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा निखरेगी।

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'मन की बात कहो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों की भावात्मक समझ विश्लेषण व रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री- कहानी व निर्धारित प्रश्न।

एक समय की बात है, एक विशाल राज्य था। जिसके राजा का नाम धर्मेश था। राजा न्याय प्रिय के साथ-साथ साहसी और बुद्धिमान भी था। राजा के दरबार में बहुत से विद्वान और योद्धा थे। एक दिन राजा को दूसरे राज्य से तोता उपहार में मिला। वह साधारण तोता नहीं था, वह मनुष्य की भाषा बोल सकता था और अत्यंत बुद्धिमान था। राजा ने तोता का नाम 'चतुर' रखा। राजा ने अनुभव किया कि तोता न केवल मनोरंजन के लिए बोलता था, बल्कि उसमें गहरी समझ भी है। राजा ने चतुर तोता से विभिन्न विषयों पर चर्चा शुरू की और चतुर जल्दी ही राजा का सलाहकार बन गया किंतु रानी व मंत्री चतुर से चिढ़ने लगे क्योंकि राजा मंत्रियों के स्थान पर चतुर की सलाह को अधिक मानते थे।

रानी को लगता था कि राजा अपना अधिक समय चतुर के साथ बिताते हैं। एक दिन मंत्रियों ने राजा से दरबार में कहा कि अगर तोता हमसे ज्यादा चतुर है तो हम इसकी परीक्षा लेना चाहेंगे। राजा को चतुर की

बुद्धिमत्ता पर पूर्ण विश्वास था। अतः राजा ने उन्हें अनुमति दे दी। मंत्री ने चतुर से सवाल किया कि जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण क्या है ? चतुर ने कहा कि जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण 'संतुलन' है। हर चीज में एक संतुलन होना चाहिए। जैसे - कार्य और विश्राम, शक्ति और दया, ज्ञान और विनम्रता जो व्यक्ति संतुलन को समझ पाता है, वह जीवन में सच्ची सफलता और शांति प्राप्त करता है। चतुर के जवाब से सभी मंत्री बड़े प्रसन्न हुए और राजा सहित सभी ने संतुलन को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लिया।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- कहानी को कक्षा में प्रस्तुत करते समय पात्रों की पृष्ठभूमि को संक्षेप में स्पष्ट करें।
- पुस्तकालय से रोल प्ले /नाटक की अन्य कहानी का चयन करने को निर्देशित करें।

गतिविधि के चरण -

- कक्षा में कहानी में आए पात्रों के चरित्र का संक्षेप में विश्लेषण करेंगे।
- विद्यार्थियों को कहानी के पात्रनुसार समूह में विभाजित करेंगे।
- पात्रों की संख्या के आधार पर ही प्रश्न पूछने हेतु विद्यार्थियों का चुनाव करेंगे।
- अब जो विद्यार्थी प्रश्न पूछने हेतु चुने गए हैं उन्हें कहानी में आए पात्रों के अनुसार मनोविश्लेषणात्मक प्रश्नों का निर्माण करने हेतु कहेंगे। शिक्षक भी इसमें सहायता प्रदान करेंगे।
- पुस्तकालय से रोल प्ले /नाटक की कहानी का चयन करने को बोलेंगे और चयन के आधार पर बातचीत करेंगे।

उदाहरण हेतु प्रश्न-

  - राजा वाले पात्र से - चतुर आपको क्यों पसंद था ?
  - चतुर वाले पात्र - से दया और शक्ति में संतुलन से क्या अभिप्राय है ?
  - मंत्री वाले पात्र से - चतुर को राजा का सलाहकार बनते देख कैसा लगा ?

- जिन विद्यार्थियों ने पात्रो की भूमिका निभाई है, उन्हें अपने पात्र के बारे में गहराई से अध्ययन करने को कहेंगे।
- अब प्रश्नकर्ता विद्यार्थी अपने प्रश्न पूछेगा तथा पात्र विद्यार्थी अपनी भूमिका निभाते हुए उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के बाद कक्षा में चर्चा करेंगे कि पात्रों की कैसी प्रतिक्रिया थी और क्या नए दृष्टिकोण सामने आए ?

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थियों में संवाद कौशल व विश्लेषण क्षमताओं का विकास होगा।

अन्य गतिविधि - आर्ट एंड क्राफ्ट

गतिविधि का नाम – 'मांडणा कला' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं हस्त कला की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - मोटा कागज, चार्ट पेपर, पतले ब्रश, सफेद व लाल रंग, पेंसिल, रबर, छोटी कटोरी, रंगीन पेपर, गोंद, मांडणा फोटो व कैंची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक विद्यार्थियों को मांडणा कला के बारे में जानकारी प्रदान करें व आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएँ।

गतिविधि के चरण-

- पहले कागज या चार्ट पेपर को किसी सपाट सतह पर चिपकाएँगे।
- पेंसिल का उपयोग करके कागज पर मांडणा के डिजाइन की रूपरेखा बनाएँगे । मांडणा कला में ज्यामितीय आकृतियाँ, फूलों के पैटर्न और पशु आकृतियाँ होती हैं।
- पारंपरिक मांडणा डिजाइन में वर्ग, वृत्त, त्रिभुज और अन्य ज्यामितीय पैटर्न सम्मिलित होते हैं।
- सफेद और लाल रंग की कटोरी में थोड़ा पानी मिलाकर घोलकर पतले ब्रश द्वारा रूपरेखा में सफेद रंग भरेंगे।
- सफेद रंग के सूखने के बाद, लाल रंग का उपयोग करके डिजाइन के आसपास का क्षेत्र भरेंगे।
- डिजाइन को और भी आकर्षक बनाने के लिए रंगीन पेपर से छोटे-छोटे टुकड़े काटकर उन्हें गोंद की सहायता से चिपकाएँ।
- पूरी पेंटिंग के सूखने के बाद, यदि आवश्यक हो तो डिजाइन को स्पष्ट करने के लिए पेंसिल की लाइनों को रबर से मिटा देंगे।
- तैयार मांडणा कला को कक्षा-कक्ष की दीवार पर सजावट के रूप में लगाएँगे या घर ले जाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में राजस्थान की पारंपरिक मांडणा कला के बारे में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता व हस्त कला कौशल का विकास होगा।

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम – 'मेरी पसंद का खेल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियो में खेल कौशल का विकास करना।

- विद्यार्थियो में टीम भावना और सहभागिता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न खेलों के फोटो व नियमावली।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक खेल के दौरान विद्यार्थियों में अनुशासन का ध्यान रखें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थी जिस खेल में भाग लेता है उसके अनुसार समूह बनाकर विद्यार्थियों को बिठा देंगे।
- अब समूह से उसके समूह में सम्मिलित एक-एक विद्यार्थी के खेल कौशल को जानने का प्रयास करेंगे। इसमें विद्यार्थी स्वयं अपने खेल कौशल की गलतियों को नहीं बताएगा। बल्कि समूह में सम्मिलित अन्य विद्यार्थी बताएँगे कि उसके खेल कौशल में कौन-कौन से सुधार की आवश्यकता है।
- प्रायः स्वयं की गलतियाँ दिखाई नहीं देती हैं ऐसे में इस गतिविधि के माध्यम से अन्य साथियों से खेल कौशल में सुधार की आवश्यकता कहाँ है ? यह जानकारी मिल सकेगी। साथ ही इस गतिविधि से टीम भावना का विकास होगा। यह गतिविधि उन्हें विभिन्न खेलों के कौशल को लेकर जागरूक भी करेगी।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी टीम भावना के साथ खेल कौशल सीखेंगे।

अन्य गतिविधि - उपभोक्ता जागरूकता

गतिविधि का नाम – 'उपभोक्ता जागरूकता मंच' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को उपभोक्ता संबंधी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना।

आवश्यक सामग्री - रोल प्ले में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, किराना की दुकान के लिए अपने स्कूल की रसोई से किराना का सामान व अन्य सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक पूर्व में गतिविधि से जुड़ी सामग्री तैयार रखें, रोल प्ले के पूर्व में दो या तीन उपसमूहों के साथ तैयारी कराएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक दो या तीन उपसमूहो में विद्यार्थियों को बारी -बारी से उपभोक्ता जागरूकता को लेकर रोल प्ले कराएँगे।
- शिक्षक रोल प्ले के बाद उपभोक्ता जागरूकता संबंधी बातचीत करेंगे।
  जैसे - अगर कोई दुकानदार हमें खराब वस्तु देता है तो हमें क्या करना चाहिए ?
- हमने कभी किसी दुकान से सामान खरीदा है और उसने या तो अंकित मूल्य से अधिक राशि ली या खराब वस्तु दी है तो हमारे क्या अनुभव रहे हैं ?

सीखने के प्रतिफल – विद्यार्थी उपभोक्ता संबंधी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम – 'गति और बल' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - गति और बल की मौलिक अवधारणाओं को समझना।

आवश्यक सामग्री- एक गेंद (फुटबॉल या बास्केट बॉल), रोकने हेतु कोन, प्लास्टिक की बोतल, स्टॉप वॉच, मापने के लिए टेप आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- विद्यार्थियों से पूछें कि उन्होंने कब और कैसे खेल खेला है जिसमें दौड़ना या गेंद को लात मारना सम्मिलित है।
- गति और बल के बारे में सामान्य जानकारी प्रदान करें।

गतिविधि के चरण-

- विद्यार्थियों को खेल मैदान पर ले जाएँगे।
- अलग - अलग समूह बनाएँगे और उनके पास एक गेंद और कुछ वस्तुएँ रुकावट हेतु रखेंगे।
- विद्यार्थियों को एक सीधी रेखा में दौड़ने के लिए कहेंगे।
- स्टापवॉच से समय मापेंगे और देखेंगे कि कौन कितना जल्दी दौड़ता है।
- विद्यार्थियों को गेंद के अलग-अलग तरीकों (जैसे धीरे, मध्यम और तेज) से लात मारने के लिए कहेंगे।
- यह देखेंगे कि किस गति से लात मारने पर गेंद कितनी दूर जाती है।
- कोण या बोतलों से एक बाधा दौड़ के लिए ट्रेक तैयार करेंगे।
- विद्यार्थियों को गेंद को धक्का देकर इन रुकावटों के बीच से निकालने के लिए कहेंगे।
- देखेंगे कि कैसे गेंद की दिशा और गति बदलती है जब वह रुकावटों से टकराती है।
- अब विद्यार्थियों से उनके अनुभवों को कागज पर लिखने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों से पूछेंगे कि उन्होंने क्या सीखा ?
- गति और बल के सामान्य नियमों पर चर्चा करेंगे, जैसे - जितना बल उतनी गति।

सीखने के प्रतिफल - इस गतिविधि से विद्यार्थियों में खेल के माध्यम से गति और बल की समझ विकसित होगी।

अन्य गतिविधि - विज्ञान दिवस

गतिविधि का नाम – 'विद्यालय में विज्ञान' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को अपने विद्यालय के परिवेश व आस- पास विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषय वस्तुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में सृजनात्मक कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - विद्यालय में उपस्थित विज्ञान संबंधित विभिन्न उपकरण के मॉडल, चार्ट, पोस्टर, मार्कर, कलर पेन व अन्य विज्ञान संबंधित सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक द्वारा विद्यालय में विज्ञान से जुड़े विभिन्न उपकरण , आस-पास उपस्थित विज्ञान से संबंधित नई जानकारी व साधनों की सूची तैयार करें और विद्यार्थियों को उपलब्ध करावें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को 4 से 5 समूहों में बाँटा जाएगा।
- अपने आस पास विज्ञान से जुड़ी हुई नई विषयों की जानकारी को एकत्र किया जाएगा, जिसमें पर्यावरण व जैव विविधता सम्मिलित हों।
- प्रत्येक समूह द्वारा विद्यालय में उपस्थित विज्ञान के उपकरणों के बारे में जानकारी ली जाएँगी।
- अब प्रत्येक समूह द्वारा विभिन्न मॉडल, पोस्टर आदि का निर्माण किया जाएगा।
- शिक्षक द्वारा सभी समूहों द्वारा ली गई जानकारी, बनाए गए मॉडल व पोस्टर पर आपस में चर्चा करवाई जाएगी और उनका प्रदर्शन किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के महत्त्व के प्रति समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में विज्ञान विषय संबंधी सृजनात्मक कौशल का विकास होगा।

मार्च 2025

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'हमारी अनमोल धरोहर 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थी राजस्थान की प्रमुख धरोहरों के बारे में जान सकेंगे।

आवश्यक सामग्री - चार्ट पेपर, मार्कर, प्रमुख धरोहरों के चित्र इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक रोल प्ले हेतु पूर्व तैयारी में सहायता प्रदान करें तथा विद्यार्थियों को उनके पात्र / अभिनय की विशेषताओं से अवगत कराएँ।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों के सामने धरोहरों के चित्र या चार्ट पेपर पर चिपकाएँगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी अपने अभिनय चरित्र के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं पर रोल प्ले प्रदर्शित करेंगे।
- मेरा नाम -------------------- है।
- मैं --------------------- जिले में स्थित हूँ।
- मेरा निर्माण --------------------- के द्वारा करवाया गया / मेरा उद्गम--------------------- से हुआ है।
- मेरा आकार / आकृति रंग --------------------- है।
- मेरी विशेषता --------------------- है।

अभिनय के लिए पात्र -

1 हवा महल	2 मेहरानगढ़	3 सिटी पैलेस उदयपुर	4 चंबल रिवर फ्रंट
5 बूंदी की बावड़ी	6 रणथंभौर अभ्यारण	7 अजमेर दरगाह	8 थार का रेगिस्तान
9 पुष्कर	10 माउन्ट आबू		

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी राजस्थान की प्रमुख धरोहरों के बारे में समझ बना सकेंगे।

अन्य गतिविधि - एक भारत श्रेष्ठ भारत

गतिविधि का नाम - 'आओ गेंडा देखें' (असम का राज्य पशु) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में नए जानवरों के बारे में जानने की रुचि का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - गेंडे का चित्र एवं विडियो।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यार्थियों को गेंडे का चित्र व विडियो दिखाकर असम राज्य पशु के बारे में जानकारी प्रदान करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से पहले जानवरों और पशुओं के बारे में सामान्य बातचीत करेंगे और कुछ प्रश्न पूछ कर चर्चा को आगे बढ़ाएँगे।

- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करेगा कि आपने सींग वाले कौन-कौन से जानवर देखे हैं ?
- विद्यार्थियों के प्राय: उत्तर होंगे - गाय, भैंस, बैल इत्यादि।
- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करेगा कि इनके कितने सींग होते हैं ?
- विद्यार्थियों के उत्तर प्रायः दो सींग होंगे।
- अब शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करेगा कि क्या आपने एक सींग वाला जानवर देखा है ?
- इसी प्रकार मजेदार तरीके से शिक्षक चर्चा को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को गेंडे के चित्र और वीडियो दिखाकर जानकारी देंगे।

विडियो लिंक- https://youtu.be/5ltLvCEZLUA

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में नए जानवरों के बारे में जानने की जिज्ञासा का विकास होगा।

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'अपनी-अपनी सोच' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों के रचनात्मक व लेखन कौशल में सुधार करना।

आवश्यक सामग्री - पेन, पेंसिल, कागज आदि।

अधूरी कहानी

एक छोटे गाँव में रमन नाम का एक लड़का रहता था। वह हमेशा नई-नई चीज खोजता रहता था। एक दिन गाँव के पास वाले खेतों में घूम रहा था तो अचानक उसने एक चमकदार चीज देखी। वह एक पत्थर था। जैसे ही उसने पत्थर को छुआ, उसमें से एक तेज प्रकाश चारों ओर फैल गया और रमन एक अज्ञात जगह पहुँच गया। वहाँ उसे एक विचित्र सा प्राणी दिखा। उसने रमन से पूछा तुम यहाँ क्यों आए हो ? ....।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- प्रत्येक कार्य के लिए निश्चित समय सीमा का निर्धारण करें।
- रचनात्मकता व लेखन कौशल पर सामान्य उदाहरण देकर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को समझाएँ कि अधूरी कहानी को पूरी करने में अपनी कल्पना का उपयोग कैसे करें ?
- पुस्तकालय की पुस्तकों से कहानी का चयन कराएँ और उस कहानी के पात्रों को बदलकर लिखवाएँ।

गतिविधि के चरण-

- अधूरी कहानी का प्रारंभिक हिस्सा पढ़ेंगे।
- अधूरी कहानी को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- अब शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि अपनी कल्पना के आधार पर इसे पूर्ण करें।
- कुछ विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कहानी को कक्षा में प्रस्तुत किया जाएगा।
- विद्यार्थियों के साथ रचनात्मकता पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में रचनात्मकता व कल्पना शक्ति का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।

अन्य गतिविधि - महिला दिवस

गतिविधि का नाम - 'मेरा अधिकार - मेरी शक्ति' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को महिला अधिकारों के बारे में जागरूक करना एवं उनकी सुरक्षा के प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, पर्चियाँ, पेंसिल, पेन, सफेद कागज आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक उपर्युक्त सामग्री की व्यवस्था पूर्व में ही कर लें।

- पर्चियाँ और पोस्टर बनवाकर तैयार रख लें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को महिलाओं के अधिकारों संबंधी निम्नलिखित अधिनियमों की संक्षिप्त में जानकारी देंगे-
    - अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम - 1956
    - दहेज निषेध अधिनियम - 1961
    - सती निवारण अधिनियम - 1987
    - घरेलू हिंसा महिला संरक्षण अधिनियम - 2005
    - कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम - 2013
    - यौन अपराधों से विद्यार्थियों का संरक्षण(POCSO) अधिनियम - 2019

उपर्युक्त जानकारी देने के पश्चात -

- विद्यार्थियों को उनकी संख्या के अनुसार अलग-अलग समूहों में बाँटा जाएगा।
- एक बॉक्स में पर्ची रखी जाएगी जिस पर महिला अधिकारों संबंधी अधिनियमों के नाम लिखे होंगे।
- प्रत्येक समूह द्वारा एक - एक पर्ची उठाई जाएगी।
- पर्ची में आए महिला अधिकारों पर चार्ट बनाए जाएँगे।
- प्रत्येक समूह द्वारा चार्ट का प्रस्तुतीकरण और व्याख्या की जाएगी।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता का विकास होगा।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम – 'जल चक्र' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को जल चक्र के विभिन्न चरणों, जैसे- वाष्पीकरण, संघनन, वर्षा और संप्रवाहकों के बारे में समझाना।
- विद्यार्थियों को जल चक्र के महत्त्व और इसके प्रभावों की जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री - एक बड़ा पारदर्शी प्लास्टिक का कंटेनर या बॉक्स, बर्फ के टुकड़े, छोटी पारदर्शी प्लास्टिक की बोतल, गर्म पानी, नीला रंग, पानी के रंगीन मॉडल, सूर्य की रोशनी या टॉर्च, काला कागज, मार्कर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को जल चक्र के बारे में संक्षेप में बताएँ।

गतिविधि के चरण -

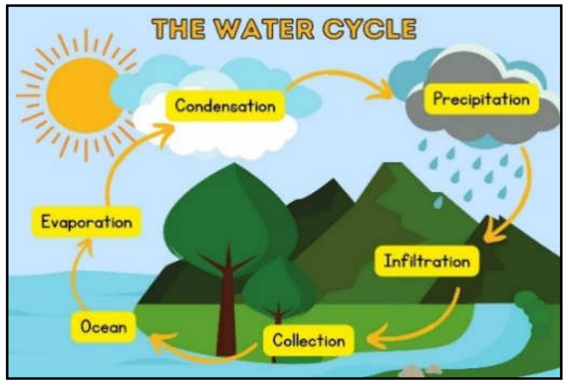

- एक बड़े पारदर्शी प्लास्टिक कंटेनर में गर्म पानी डालेंगे।
- छोटी बोतल को ठंडा करने के लिए उसमें बर्फ के टुकड़े डालेंगे।
- बोतल को कंटेनर के अंदर तैरने देंगे, ताकि यह कंटेनर के ऊपरी हिस्से को छू सकें।
- कंटेनर के ऊपर काला कागज रखेंगे ताकि सूर्य की रोशनी सीधी पानी पर पड़े या टॉर्च लाइट का प्रयोग करेंगे।
- विद्यार्थियों को दिखाएँगे की कैसे गर्म पानी से भाप उठती है और ठंडी बोतल की सतह पर संघनित (वाष्प) होती है।
- संघनित पानी की बूँदे बोतल से नीचे गिरती हैं, जिससे वर्षा का अनुकरण होता है।
- कंटेनर के नीचे एकत्र पानी को संप्रवाह के रूप में दिखाएँगे।
- विद्यार्थी को जल चक्र का एक चित्र बनाने के लिए कहेंगे, जिसमें जल चक्र के चारों चरण सम्मिलित हों।
- विद्यार्थियों को चारों चरणों के चित्रों पर लेबल लगाने में सहायता करेंगे।
- विद्यार्थियों से पूछेंगे कि उन्होंने क्या देखा और क्या सीखा ?
- जल चक्र के महत्त्व और हमारे पर्यावरण पर इसके प्रभाव पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को यह सोचने के लिए प्रेरित करेंगे कि कैसे मानव गतिविधियाँ जल चक्र को प्रभावित करती हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में जल चक्र के विभिन्न चरणों जैसे- वाष्पीकरण, संघनन, वर्षा और संप्रवाहकों की समझ विकसित होगी।

अन्य गतिविधि - शहीदों की गाथा

गतिविधि का नाम – 'स्टेज फ्राइट (मंच भय) को दूर करना' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना व मंच भय को दूर करना।
- विद्यार्थियों में देश भक्ति की भावना विकसित करना।

आवश्यक सामग्री- रोल प्ले गतिविधि के लिए आवश्यक वेशभूषा, स्क्रिप्ट, माइक सेट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- सुखदेव, राजगुरु और भगतसिंह के शहादत की गाथा को पूर्व में ही पढ़ लें।
- गतिविधि से पूर्व स्क्रिप्ट बनाकर तैयार रखें और विद्यार्थियों को नाटक की तैयारी कराएँ।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों को सुखदेव, राजगुरु और भगतसिंह के शहीद होने की गाथा सुनाएँगे।
- विद्यार्थियों के लिए पात्र का चयन करेंगे।
- विद्यार्थियों के रोल प्ले के लिए संवाद तय करेंगे।
- रोल प्ले का अभ्यास करवाएँगे।
- रोल प्ले का प्रार्थना सभा में प्रस्तुतीकरण करेंगे।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में देश भक्ति की भावना विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास और मंच भय दूर होगा।

थीम -बाल सभा मेरे अपनों के संग

गतिविधि का नाम – 'कोलाब्रेटीव आर्ट' ....

गतिविधि के उद्देश्य –

- विद्यार्थियों द्वारा समूह में कार्य करते हुए सहयोग करना और किसी सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त करना।
- विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर पर रचनात्मकता और नए विचारों को प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में समस्या समाधान कौशल, सामाजिक संबंध और सामुदायिक भावना का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट शीट्स, पेंसिल, रबर, मोम कलर, घंटी या गाना बजाने का वाद्ययंत्र, टाइमर, चार्ट शीट्स को आपस में चिपकाने के लिए पारदर्शी टेप।

(चार्ट शीट्स उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में A4 साइज पेपर का उपयोग किया जा सकता है)

शिक्षक हेतु निर्देश -

- गतिविधि शुरू करने से पहले आवश्यक सामग्री विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में एकत्र कर लें।
- गतिविधि करवाने से पहले गतिविधि स्थल का चुनाव (विद्यालय का मैदान या बड़ा बरामदा / हॉल जहाँ सभी विद्यार्थी आयताकार समूह आकृति में एक दूसरे के पास आरामदायक तरीके से बैठ सकें और अपना स्थान बदल सकें।) सुविधा के अनुसार करें।
- विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में चार्ट शीट्स (एक चार्ट शीट्स पर अधिकतम दो विद्यार्थी) को लेकर आपस में पारदर्शी टेप से चिपका लें व उनको आयताकार आकार में व्यवस्थित कर दें ताकि गतिविधि के दौरान चार्ट शीट्स अपनी जगह से हिल-डुल नहीं सकें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले प्रत्येक चार्ट शीट्स पर दो - दो पेन्सिल, रबर और 4-5 मोम कलर पहले ही रख दें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को पुस्तकालय की किताब से कोई भी रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से सुनाएँ और विद्यार्थियों से पुस्तक में आए चित्रों पर चर्चा करें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को अपनी बारी आने पर चार्ट शीट्स को अपनी जगह ही बनाए रखने, पेंसिल, रबर और कलर को उसी चार्ट पेपर के पास रख देने के लिए सूचित करें ताकि अगला आने वाला विद्यार्थी सामग्री का उपयोग कर सकें। विद्यार्थियों द्वारा माँगने पर कलर, रबर और रंग एक दूसरे को साझा करने के बारे में भी आवश्यक रूप से बताएँ।
- विद्यार्थियों को अवलोकनकर्ता द्वारा गतिविधि के दौरान दिए जाने वाले निर्देशों को ध्यान से सुनने के बारे में बताएँ।
- गतिविधि शुरू करने के तुरंत पहले विद्यार्थियों को आयताकार रूप से जमें हुए चार्ट के सामने विद्यार्थियों को खड़ा करें (एक चार्ट पर दो विद्यार्थी) और विद्यार्थियों को अनुमान लगाने के लिए कहें कि 'बताइएँ हम अब क्या करने वाले हैं ?' सभी विद्यार्थियों के प्रत्युत्तर को सम्मानपूर्वक सुनें। गतिविधि के बारे में विद्यार्थियों को पहले कुछ भी नहीं बताएँ।

- इस गतिविधि के तीन चरण है। विद्यार्थियों को प्रत्येक चरण के निर्देश अलग अलग दें जैसे प्रथम चरण पूरा हो जाने पर ही दूसरे चरण के निर्देश दें। दूसरा चरण पूरा हो जाने पर तीसरे चरण के निर्देश दें।

गतिविधि के चरण -

1.**प्रथम चरण -**

- सभी विद्यार्थियों को आयताकार आकृति में चार्ट शीट्स के सामने खड़ा कर देंगे (एक चार्ट पर दो विद्यार्थी) और विद्यार्थियों को आगे होने वाली गतिविधि के बारे में अनुमान लगाने के लिए पूछेंगे।
- विद्यार्थियों को एक रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से कहानी सुनाएँगे एवं पुस्तक के चित्रों पर कुछ सवालों के माध्यम से चर्चा करेंगे जैसे - चित्र कैसे थे ? चित्रों में क्या - क्या अलग था या मजेदार था ? इत्यादि।
- अब विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट पर पेंसिल से आड़ी तिरछी, गोल मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। विद्यार्थियों को बताएँगे कि पेंसिल चार्ट पेपर से उठानी नहीं है। यह प्रक्रियाँ एक मिनट तक चलने दें और साथ ही घंटी या गाना भी साथ - साथ बजाएँगे। एक मिनट के बाद टाइमर की सहायता से घंटी या गाना बजाना बंद कर देंगे और विद्यार्थियों को अपने दाईं ओर के चार्ट पर चले जाने को कहेंगे। इस प्रकार सभी विद्यार्थी अपने दाई और खिसक जाएँगे और अपने चार्ट से अगले चार्ट पर पहुँच जाएँगे।
- अब विद्यार्थियों को घंटी बजते ही अगले एक मिनट तक अपने सामने के चार्ट पर पुनः आड़ी तिरछी, गोल - मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम 10 बार (एक एक मिनट करके कुल 10 मिनट) तक दोहराएँगे और प्रत्येक एक मिनट बाद विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार प्रत्येक चार्ट पर आड़ी टेढ़ी, सीधी तिरछी गोल मोल रेखाओं का जाल चित्रित हो जाएगा।

2. द्वितीय चरण -

- अब विद्यार्थियों को चार्ट पर जो अलग - अलग रेखाओं का जाल चित्रित हुआ है उसको अगले दो मिनट तक ध्यान से देखने/अवलोकन करने के बारे में कहेंगे और बताएँगे कि इस रेखाओं के जाल में कई सारी आकृतियाँ छुपी हुई है जैसे शेर खरगोश, मछली, पेड़, आदमी, कंगन, पत्ती, फूल टेबल, कुर्सी, घर, तारे, चूहा, बिल्ली आदि अन्य कई आकृतियों को ढूँढ़ने के लिए कहेंगे। इन दो मिनट के अवलोकन के दौरान घंटी/ गाना बजाए रखेंगे।
- जब सभी विद्यार्थी दो मिनट तक चार्ट पर अवलोकन कर लेंगे तब टाइमर से गाना/घंटी बजाना बंद कर देंगे एवं गाना बंद होते ही विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर खिसक जाने को कहेंगे।
- विद्यार्थी जब अपने से अगले चार्ट पर चले जाए तब दो मिनट तक घंटी/गाना बजने के दौरान विद्यार्थियों के सामने के चार्ट पर कोई आकृति को ढूँढ़ने और उसकी आकृति को पेंसिल से हाईलाइट करने के बारें में

निर्देश देंगे। दो मिनट के बाद घंटी बजाना बंद करेंगे एवं विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम कम से कम 15 बार दोहराएँगे (कुल तीस मिनट तक)।

3. तृतीय चरण -

- विद्यार्थी जब प्रत्येक चार्ट पर कुछ आकृतियाँ पेंसिल से हाईलाइट कर लें तब विद्यार्थियों को एक- एक मिनट में घंटी/गाना बजाते हुए एक से दूसरे, दूसरे से तीसरें चार्ट पर खिसकते हुए अपनी पसंद के रंग भरने के लिए कहेंगे। इस प्रकार सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट में कई आकृतियों में अपनी पसंद के रंग भरने का मौका मिलेगा।
- अंत में जब विद्यार्थी सभी चार्ट में आकृतियों में रंग भर दें तब गतिविधि समाप्ति की घोषणा कर विद्यार्थियों को पूरे आयताकार आकृति के चार्ट शीट्स पर बने चित्रों को देखने का अवसर देंगे।

गतिविधि बाद विद्यार्थियों से समूह चर्चा करेंगे जिसमें विद्यार्थियों से कुछ सवाल किए जा सकते हैं -

- इस गतिविधि को करते हुए आपके मन में क्या विचार आ रहे थे ?
- आपने किसी दूसरे का अधूरा चित्र पूरा किया, आपको कैसा लगा और आपने क्या विचार किया ?
- जब आपने गतिविधि खत्म होने के बाद सभी चार्ट्स का अवलोकन किया तो गतिविधि शुरू होने से पहले और गतिविधि समाप्त होने के बाद क्या अनुभव हुआ ?
- गतिविधि करने के दौरान आपको सबसे अच्छा और सबसे चुनौतीपूर्ण क्या लगा ?

- गतिविधि पूरी हो जाने के बाद बने हुए चार्ट शीट्स को ज्यों का त्यों लंबाई में किसी कक्षा-कक्ष या हॉल में चिपका देंगे जो अगले कई दिनों तक विद्यार्थियों को रोचक और आनंददायी गतिविधि के बारे में सोचने और कुछ और चित्र बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी समूह में कार्य करते हुए सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर रचनात्मकता और नए विचारों से प्रेरित होंगे।
- विद्यार्थियों में समस्या समाधान कौशल, सामाजिक संबंध और सामुदायिक भावना का विकास होगा।

अप्रैल 2025

थीम -आओ राजस्थान को जानें

गतिविधि का नाम - 'राजस्थान के प्रतीक चिह्न' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों को राजस्थान के प्रतीक चिह्नों से परिचय कराना।

आवश्यक सामग्री - पेन, रंगीन कागज, प्रतीक चिह्नों की प्रतिलिपि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक द्वारा समूह के आकार के अनुसार प्रश्न व उनके उत्तर तैयार कर लें ।
- प्रत्येक चिह्न से संबंधित कम से कम दो - तीन प्रश्न व उत्तर पृथक-पृथक पर्चियों में लिख लें।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक सभी विद्यार्थियों के सामने प्रश्न व उत्तर की पर्चियाँ रखेंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी एक पर्ची उठाएगा और उससे संबंधित प्रश्न व उत्तर को खोजेगा।
- जब सही प्रश्न व उत्तर खोज लिए जाए तो वे प्रतीक चिह्नों के अनुसार समूह में खड़े हो जाएँगे।
- प्रत्येक समूह को अपने प्रतीक चिह्न की व्याख्या करने हेतु समय देंगे।
- सभी समूह अपनी-अपनी प्रस्तुति कम से कम 5 वाक्यों में प्रस्तुत करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी राजस्थान के प्रतीक चिह्नों के बारे में समझ बना पाएँगे।

थीम -भाषा -समझ से अभिव्यक्ति की ओर

गतिविधि का नाम – 'गलती खोजो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - भाषा शुद्धिकरण हेतु सूक्ष्म दृष्टिकोण को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - त्रुटिपूर्ण वाक्यों की सूची।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सभी विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करें और सही उत्तर व स्पष्टीकरण देकर सहायता करें।
- शिक्षक अपने विवेक से अशुद्ध शब्दों व वाक्यों की सूची बना लें।

उदाहरण के लिए वाक्य -

- वह बहुत बुद्धिमान है लेकिन वह बहुत आलसी है।
- मैं और मेरा भाई कल बाजार गया था।
- लिंग बदलने वाले वाक्य, जैसे- सीमा खाना खाता है। बकरी पानी पीता है।

गतिविधि के चरण -

- व्याकरण की सामान्य गलतियों पर चर्चा करेंगे ।
- विद्यार्थियों को भाषा के शुद्धिकरण का महत्त्व समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को छोटे समूह में बाँटेंगे।
- प्रत्येक समूह को त्रुटिपूर्ण वाक्यों की सूची देंगे।
- एक निश्चित समय अवधि में विद्यार्थियों को वाक्य में त्रुटियों को पहचान कर सुधार हेतु कहेंगे।
- प्रत्येक समूह अपने सुधारे गए शब्दों और वाक्यों को कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
- सुधार का कारण भी व्यक्त करवाया जाएगा।
- वाक्य के किस अंश में त्रुटि है, इसका भी स्पष्टीकरण विद्यार्थियों से करवाया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी सामान्य व्याकरण संबंधी गलतियों को पहचानने और उन्हें सही करने में सक्षम होंगे।

अन्य गतिविधि - उपभोक्ता जागरूकता

गतिविधि का नाम – 'आओ जागरूक बने' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य – विद्यार्थियों में उपभोक्ता संबंधी जागरूकता एवं मानकों की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट पेपर, पेन्सिल, उपभोक्ता के मानक चित्र।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक पूर्व में उपभोक्ता सम्बधी प्रश्नों पर बातचीत करें और उसके बाद चित्र बनवाएँ।

गतिविधि के चरण - शिक्षक निम्नलिखित प्रश्नों पर विद्यार्थियों के साथ बातचीत करेगा -

- शिक्षक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (Consumer Protection Act) क्या है ?
- उपभोक्ता फोरम क्या है और इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है ?
- एक उपभोक्ता को शिकायत दर्ज करने के लिए किन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है ?
- ऑनलाइन खरीदारी करते समय उपभोक्ताओं को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
- उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता कौन-कौन से कदम उठा सकते हैं ?
- क्या आप जानते हैं कि **'ISI'**, **'AGMARK'** और **'FSSAI'** मार्क क्या दर्शाते हैं ?
- उत्पाद पर अंकित मूल्य (MRP) और बिक्री मूल्य (Selling Price) में क्या अंतर है ?

- वारंटी और गारंटी में क्या अंतर होता है और उपभोक्ता को इसे समझने की आवश्यकता क्यों है ?
- नकली उत्पादों की पहचान कैसे की जा सकती है ?
- अंत में विद्यार्थियों से चित्र बनवाएँगे।
- सभी से प्रस्तुतीकरण करके बातचीत का समेकन करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम और मानकों को समझेगे।

थीम -स्वस्थ राजस्थान - सशक्त राजस्थान

गतिविधि का नाम – 'खेल कौशल के लिए अभ्यास' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों में खेल कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- चयनित खेल हेतु खेल सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश- खेल खेलने के दौरान अनुशासन का ध्यान रखें।

गतिविधि के चरण-

- इस गतिविधि के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न खेल को खेलने का अवसर दिया जाएगा जिसमे उनके खेल कौशल पर पूरी नजर रखी जाएगी।
- शारीरिक शिक्षक उनकी गलतियों को पहचानते हुए उसमें सुधार करवाने का प्रयास करेंगे जिससे खिलाड़ी किसी भी खेल में जीत हासिल कर सकेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से जिम्नास्टिक, एथलेटिक्स से जुड़ी गतिविधियाँ करवाते हुए खेल कौशल को समझाने का प्रयास करेंगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थी खेल कौशल को समझ सकेंगे।

अन्य गतिविधि - करियर- एक सुनहरे भविष्य की राह

गतिविधि का नाम – 'आगे कैसे बढ़ें' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में करियर उन्नयन हेतु समुदाय के प्रतिष्ठित रोजगार प्राप्त व्यक्तियों के अनुभवों द्वारा रोजगार की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - बोर्ड,चॉक, मार्कर, माइक आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक समुदाय के प्रतिष्ठित रोजगार प्राप्त व्यक्ति को विद्यालय में आमंत्रित करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक द्वारा प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को कार्यक्रम की पूर्व सूचना दी जाएगी।
- विद्यार्थियों के समूह को एक निश्चित कक्ष / बरामदा / हॉल में बिठाया जाएगा।
- आमंत्रित अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं करियर उन्नयन हेतु अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।
- आमंत्रित अतिथियों के साथ प्रश्नोत्तर / चर्चा की जाएगी।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में करियर उन्नयन हेतु रोजगार की समझ विकसित होगी।

थीम -खेल-खेल में विज्ञान

गतिविधि का नाम - 'पौधों द्वारा वाष्पोत्सर्जन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को पौधों द्वारा वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया को समझाना।

आवश्यक सामग्री - पारदर्शी प्लास्टिक बैग, रबर बैंड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- विद्यार्थियों को पौधों द्वारा वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाकर गतिविधि में उनकी सहायता करें।

गतिविधि के चरण -

- अपनी पसंद से कोई भी एक पौधा चुनेंगे तथा उसकी किसी भी डाल सिरे के ऊपर प्लास्टिक बैग को रबर बैंड की सहायता से ध देंगे।
- प्लास्टिक बैग के अंदर पौधे की पत्तियों का होना आवश्यक है, अब लगभग (60 मिनट) प्रतीक्षा करेंगे और देखेंगे कि पौधे की पत्तियाँ अतिरिक्त जल का वाष्प उत्सर्जन करती हैं, जो प्लास्टिक की थैली की सतह पर दिखाई देती है।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी पौधों द्वारा वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया को समझ पाएँगे।

अन्य गतिविधि - कृत्रिम बुद्धिमता (AI)

गतिविधि का नाम- 'रोबोट की दुनिया' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य- विद्यार्थियों को रोबोट के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमता को समझाना।

आवश्यक सामग्री- स्मार्ट टी.वी, प्रोजेक्टर, रोबोटिक्स खिलौने, रोबोटिक लेब (जहाँ उपलब्ध हो) अन्य डिजिटल सामग्री या उपकरण।

शिक्षक निर्देश-

- पूर्व में रोबोट मॉडल के कार्य को स्मार्ट टी. वी. या प्रोजेक्टर पर दिखाने की व्यवस्था करें।
- रोबोट की कोडिंग एवं बेसिक प्रोग्रामिंग के बारे में पूर्व में जानकारी देवें।

गतिविधि के चरण-

- रोबोट मॉडल के कार्य को स्मार्ट टी वी या प्रोजेक्टर की सहायता से सभी विद्यार्थियों को दिखाएँगे व बातचीत करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को रोबोट की कोडिंग और बेसिक प्रोग्रामिंग के बारे में बताएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ रोबोटिक्स और एथिकल पहलुओं पर बातचीत करेंगे, जैसे- रोबोट के सामाजिक और नैतिक प्रभाव क्या है ?
- शिक्षक रोबोटिक्स में वर्तमान ट्रेंड्स के अनुभव को शेयर करेंगे।
- शिक्षक रोबोटिक्स की भविष्य में उपयोगिता को समझाएँगे।
- जहाँ रोबोटिक लैब उपलब्ध हो वहाँ रोबोटिक प्रोजेक्ट का निर्माण करवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल- विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमता की समझ विकसित होगी।

आउटडोर खेल गतिविधियाँ

- क्रिकेट
- फुटबॉल
- बास्केटबॉल
- बैडमिंटन
- वॉलीबॉल
- दौड़ (100 सौ मीटर एवं उससे अधिक)
- हॉकी
- कबड्डी
- लंबी छलांग
- तालियों के साथ योगाभ्यास
- रस्सी कूद
- फुटबॉल (सॉकर): यह खेल छोटे आकार के मैदान में भी खेला जा सकता है। विद्यार्थियों को इस खेल से सामूहिकता, पारस्परिक सहयोग और टीमवर्क के महत्त्व को समझने में मदद मिलती है।
- बास्केटबॉल: विद्यार्थियों के लिए बास्केटबॉल भी एक उपयुक्त खेल हो सकता है। यह खेल उन्हें गतिशीलता, कंट्रोल और टीम वर्क कौशल विकसित करने में मदद करता है।
- बैडमिंटन: यह एक आसान और रमणीय खेल है जिसे विद्यार्थी खेल सकते हैं। इसका खेलना उन्हें हाथ-पैर के कोऑर्डिनेशन, स्पष्टता और तेज़ी के साथ दिमागी कौशल विकसित करने में मदद करता है।
- हॉकी: विद्यार्थियों को हॉकी भी अच्छा खेल लग सकता है। हॉकी खेलने से उन्हें सामूहिकता, बाल कंट्रोल, टीम वर्क और सामरिक योजना बनाने का मौका मिलता है।

संलग्नक-2

प्रारूप—अ

'नो बैग डे' कार्यक्रम उत्तरदायित्व —विद्यालय स्तर (जून के अंतिम सप्ताह में करना है)

नो बैग डे की थीम	थीम प्रभारी	कक्षा समूह प्रभारी
1. पहला शनिवार— आओ राजस्थान को जानें।	थीम प्रभारी...............................	**समूह— अंकुर** प्रभारी....................... सहप्रभारी..................
2. दूसरा शनिवार — भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर	थीम प्रभारी...............................	**समूह— प्रवेश** प्रभारी....................... सहप्रभारी..................
3. तीसरा शनिवार— स्वस्थ राजस्थान—सशक्त राजस्थान	थीम प्रभारी...............................	**समूह— दिशा** प्रभारी....................... सहप्रभारी..................
4. चौथा शनिवार— खेल खेल में विज्ञान	थीम प्रभारी...............................	**समूह— क्षितिज** प्रभारी....................... सहप्रभारी..................
5. पाँचवा शनिवार— बालसभा — मेरे अपनों के संग	थीम प्रभारी...............................	**समूह— उन्नति** प्रभारी....................... सहप्रभारी..................

हस्ताक्षर प्रभारी 'नो बैग डे' कार्यक्रम

हस्ताक्षर संस्थाप्रधान

नाम.....................................

'नो बैग डे' कार्यक्रम मासिक योजना–प्रारूप–ब

(प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को तैयार करना)

माह का नाम... वर्ष....................

दिनांक	थीम का प्रकार	समूह	गतिविधि का संक्षिप्त विवरण	गतिविधि का स्थल/कक्षा	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की अनुमानित संख्या		
					छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
	आओ राजस्थान को जानें।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	स्वस्थ राजस्थान–सशक्त राजस्थान।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	खेल खेल में विज्ञान	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	बालसभा मेरे अपनों के संग	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								

नाम व हस्ताक्षर थीम प्रभारी

हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

संलग्नक-2

'नो बैग डे' कार्यक्रम–प्रतिवेदन

(प्रत्येक शनिवार को तैयार करना)

माह का नाम...................................... दिनांक.................. शनिवार का क्रम– प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ/पंचम

थीम का नाम...

समूह का नाम... ....

समूह प्रभारी का नाम एवं पदनाम..

क्रसं	गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण (प्रतिफल/कौशल/दक्षता आदि)	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि 1. 2. 3.

गतिविधि आयोजन को श्रेष्ठ बनाने हेतु सुझाव– ....

....

नोट– समूह की गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करे को सॉफ्ट या हार्ड कॉपी में 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी को गतिविधि आयोजन के बाद देवें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी इन्हें सत्र पर्यन्त संरक्षित रखें।

हस्ताक्षर थीम प्रभारी हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी